बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

दैनिक
सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 185/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, रविवार 02 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

मां सरस्वती सबके जीवन में खुशियां लाएं: मोदी

मोहन यादव ने दी बसंत पंचमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

नई दिल्ली। आज देश भर में वसंत पंचमी का पर्व मनाया जा रहा है। हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को वसंत पंचमी मनाई जाती है। आज के दिन को मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस के रूप में भी जाना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को वसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि सभी देशवासियों को बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेताओं ने भी लोगों को पर्व की शुभकामनाएं दीं। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि समस्त देशवासियों को बसंत पंचमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। विद्या, बुद्धि और विवेक की देवी मां सरस्वती सभी के जीवन में खुशियां व समृद्धि लाए, यही कामना करता हूं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि समस्त देशवासियों को बसंत पंचमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। इस उत्साह और आनंद के पर्व पर ज्ञान और विद्या की देवी मां सरस्वती सभी के जीवन में हर्ष-उल्लास और खुशियां लाएं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि विद्या, बुद्धि व ज्ञान की अधिष्ठात्री मां सरस्वती की साधना और प्रकृति-प्रेम को समर्पित पावन पर्व वसंत पंचमी की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। मां सरस्वती जी आप सभी के जीवन को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित कर सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें। जय मां शारदे।

सांध्यप्रकाश विशेष

DRDO की बड़ी सफलता: VSHORADS एयर डिफेंस सिस्टम का सफल परीक्षण

1 फरवरी 2025 को, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने ओडिशा के चांदीपुर तट पर वेरी शॉर्ट-रेंज एयर डिफेंस (VSHORADS) सिस्टम के तीन सफल परीक्षण किए।

इन परीक्षणों ने इस अत्याधुनिक प्रणाली की सटीकता और क्षमता को साबित किया। ये परीक्षण विशेष रूप से उच्च गति और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों को निशाना बनाने पर केंद्रित थे।

सटीकता और शक्ति का प्रमाण- DRDO के बयान के अनुसार, सभी तीन परीक्षणों में मिसाइलों ने लक्ष्यों को सटीक रूप से भेदा और पूरी तरह से नष्ट कर दिया। इन परीक्षणों के दौरान, मिसाइल ने ड्रोन जैसे कम थर्मल सिग्नेचर वाले हवाई लक्ष्यों को अलग-अलग परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से निष्क्रिय किया।

परीक्षण की विशेषताएँ- इस परीक्षण के दौरान VSHORADS सिस्टम को अपने अंतिम तैनाती कॉन्फ़िगरेशन में जांचा गया, जिसमें दो फील्ड ऑपरेटर्स ने हथियार की तैयारी, लक्ष्य निर्धारण और मिसाइल फायरिंग को अंजाम दिया। इस तीसरे सफल परीक्षण के बाद, इस मिसाइल प्रणाली को आधिकारिक उपयोग के लिए तैयार माना जा सकता है।

रक्षा मंत्री की बधाई- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने DRDO को इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई दी और इसे भारतीय रक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया। इस सफलता के साथ, VSHORADS प्रणाली ड्रोन और अन्य हवाई खतरों को निष्क्रिय करने में अपनी विशिष्ट क्षमता साबित कर चुकी है। इस परीक्षण से भारतीय वायु रक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है।

सरकार ने सिर्फ 1 महीने में GST से कमाए 1.96 लाख करोड़, जनवरी में 12% बढ़ा कलेक्शन

नई दिल्ली। 2025- देश में घरेलू आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने से जनवरी 2025 में जीएसटी कलेक्शन 12.3 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपए हो गया। शनिवार को देश का बजट पेश करने के साथ ही सरकार ने जीएसटी कलेक्शन से जुड़े आंकड़े भी जारी किए।

2025- जीएसटी कलेक्शन में घरेलू स्तर पर गुड्स और सर्विसेज की बिक्री से कलेक्शन 10.4 प्रतिशत बढ़कर 1.47 लाख करोड़ रुपए हो गया। इंपोर्टेड चीजों से टैक्स कलेक्शन 19.8 प्रतिशत बढ़कर 48,382 करोड़ रुपए रहा। जनवरी में कुल जीएसटी कलेक्शन 1,95,506 करोड़ रुपए रहा, जो सालाना 12.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

2025- जनवरी 2025 में जारी किए गए 23,853 करोड़ रुपए का रिफंड जीएसटी विभाग ने साल के पहले महीने में कुल 23,853 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया, जो 24 प्रतिशत ज्यादा है। रिफंड को समायोजित करने के बाद कुल नेट जीएसटी रेवेन्यू 10.9 प्रतिशत बढ़कर 1.72 लाख करोड़ रुपए रहा।

झाबुआ की बेटी का ऑस्ट्रेलिया में परफॉर्मेंस, मूकबधिर आर्टिस्ट को कलेक्टर ने प्रदान की 50 हजार रुपए की सहायता

झाबुआ। झाबुआ की बेटी जयतिका परमार को ऑस्ट्रेलिया में आयोजित तीन दिवसीय प्रतिष्ठित संस्कृत कार्यक्रम में परफॉर्मेंस देने के लिए आमंत्रित किया गया है। वह देश के 10 आमंत्रितों में से एक है। मूकबधिर प्रतिभाशाली बेटी के पिता टेलरिंग का काम करते हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने से वह बेटी को ऑस्ट्रेलिया भेजने में असमर्थ थे। सुभाष मार्ग झाबुआ के निवासी है। सिलाई का काम करने वाले कमलेश परमार ने कलेक्टर नेहा मीना को अवगत करवाया कि बेटी जयतिका को ऑस्ट्रेलिया मैं परफॉर्मेंस करने का निमंत्रण मिला है। वीजा और और जाने आने का खर्च कम से कम ?80000 के आसपास का हो रहा है। वह बेटी को भेजना तो चाहते हैं लेकिन आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है। प्रशासन से उन्होंने

झाबुआ की कलेक्टर नेहा मीना को जब यह ज्ञात हुआ तो उन्होंने तत्काल जयतिका को ?50000 की आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ ही सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को निर्देश दिए कि वह शेष खर्च का प्रबंध करें।

देश के 10 मूकबधिर आर्टिस्ट को मिला है निमंत्रण- आल इंडिया डेफ आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी के माध्यम से देशभर के 10 मूकबधिर आर्टिस्ट को कन्नड़ संघ क्वींसलैंड इंक.ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित भव्य उगादि उत्सव समारोह में भाग लेने के लिए निमंत्रण पत्र मिला है। उन्हें में से एक है झाबुआ की जयतिका परमार।

जयतिका के पिता कमलेश परमार आर्थिक सहायता की मांग की। जिस पर कलेक्टर नेहा मीना ने तत्काल 50 हजार रुपए आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए सांकेतिक भाषा में बालिका को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परफॉर्मेंस देने के लिए बधाई दी।

झाबुआ की बेटी के उत्साह वर्धन के लिए इन्होंने भी दिया साथ- कलेक्टर ने ?50000 की सहायता के साथ ही उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को निर्देश दिए कि प्रतिभाशाली दिव्यांग बालिका की हर संभव मदद करें। इसके लिए वह सामाजिक कार्यकर्ताओं, दानदाताओं के माध्यम से व्यवस्था जुटाए।

रूस फोकस देश घोषित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले 2025 का उद्घाटन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 का उद्घाटन भारत मंडपम में किया। इस वर्ष रूस को फोकस देश के रूप में चुना गया है और मेले की थीम रखी गई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया और उन्हें विभिन्न विषयों की किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे वे अपनी क्षमताओं और संभावनाओं को पहचान सकें।

भारत-रूस के साहित्यिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने की पहल

भारत और रूस के दीर्घकालिक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा करने की दिशा में राष्ट्रपति मुर्मू ने रूस पवेलियन का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव भी उपस्थित रहे।

रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, भारत की राष्ट्रपति के साथ इस भव्य पुस्तक मेले के उद्घाटन मंच को साझा करना मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि इन परंपराओं को संरक्षित रखना आवश्यक है ताकि भारतीय साहित्यिक विरासत रूस में और रूसी साहित्यिक विरासत भारत में प्रभावी रूप से प्रस्तुत की जा सके।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 का उद्देश्य साहित्यिक उत्कृष्टता का उत्सव मनाना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। इस वर्ष, रूस अपनी समृद्ध साहित्यिक परंपराओं और भारत के साथ गहरे सांस्कृतिक संबंधों को प्रस्तुत करने के लिए मुख्य आकर्षण रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा

मोदी के नेतृत्व में दिल्ली में भाजपा सरकार बनाने जा रही है

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली की त्रिनगर विधानसभा क्षेत्र के शकूर विलेज में पार्टी प्रत्याशी श्री तिलक राम गुप्ता के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पांच फरवरी को दिल्ली की आपदा को समाप्त करने और विकास की शुरूआत करने के लिए दिल्ली की जनता मतदान करे। यह चुनाव दिल्ली और दिल्ली की शान के लिए और यह चुनाव कमल के निशान के लिए है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द मोदी जी देश के विकास में कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, वहीं आम आदमी पार्टी और केजरीवाल झूठ बोलने में रिकॉर्ड बना रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की भोली-भाली जनता से झूठ बोलकर सत्ता में आए और मुख्यमंत्री बनने के बाद उसी जनता को ठगने लगे। अरविंद केजवरीवाल और उनकी पार्टी के कई नेता, मंत्री, सांसद भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जा

चुके हैं। दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को सबक सिखाने के लिए पांच फरवरी को मतदान करेगी।

केंद्रीय बजट में हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रावधान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्माला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट में हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रावधान किया गया है। केंद्रीय बजट में किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने के साथ मछली पालन सहित कई कल्याणकारी घोषणाएं की गई हैं। युवाओं के लिए आईआईटी में इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के साथ मेडिकल की सीटें पांच साल में 75 हजार बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। महिलाओं को भी ऋण देने के लिए अलग से बजट में प्रावधान किया गया है। आज ही मैं जापान से आ रहा हूं। जापान सहित दुनिया भर के देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की ओर देख रहे हैं।

केजरीवाल ने आयुष्मान भारत योजना से जनता को वंचित कर विश्वासघात किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आयुष्मान भारत योजना लागू करके देशभर के गरीबों को पांच लाख रूपए तक के मुफ्त इलाज की गारंटी दी है। इस योजना में अब 70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों को भी शामिल करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे आप पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं होने दी। केजरीवाल और आप पार्टी की सरकार ने दिल्ली की 51 लाख जनता को आयुष्मान भारत योजना से वंचित रखकर जनता के साथ विश्वासघात किया है। इस तरह के व्यक्ति को भारतीय राजनति में कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केजरीवाल ने मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर दवाइयों और फर्जी लैब टेस्ट में घोटाला कर मानवता को शर्मसार किया है।

मुश्किल में बाबा रामदेव, केरल की अदालत ने जारी किया गैर-जमानती वारंट

नई दिल्ली। योग गुरुगु बाबा रामदेव की मुश्किलेंफिर एक बार बढ़ गई हैं। केरल की एक अदालत नेउनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। रामदेव के अलावा पतंजलि योगपीठ के अध्यक्ष आचार्यबालकृष्ण के खिलाफ भी वारंट जारी किया है। पलक्कड़ जिलेकी कोर्ट दोनों के ही खिलाफ यह वारंट उनकी गैरहाजिरी के कारण जारी किया है। आपको बता दें कि वेकेरल के ड्रग्स इंस्पेक्टर द्वारा दिव्य फार्मेसी के खिलाफ दायर किए गए आपराधिक मामलेमेंपेश नहीं हुए थे। कोर्ट नेइन दोनों के खिलाफ 15 फरवरी को पेश होनेके लिए गैर-जमानती वारंट जारी किया है। इससेपहलेकोर्ट ने 1 फरवरी को इन आरोपियों के खिलाफ जमानत योग्य वारंट जारी किया था, ताकि वेकोर्ट मेंपेश हो सकें। यह मामला दिव्य फार्मेसी द्वारा कथित रूप सेभ्रामक चिकित्सा विज्ञापन प्रसारित करनेसे जुड़ा है, जिस पर केरल ड्रग्स इंस्पेक्टर नेकार्रवाई की है।

केजरीवाल ने चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

नई दिल्ली। नई दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी (आप) कार्यकर्ताओं पर हमले को लेकर अरविंद केजरीवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में केजरीवाल ने आप कार्यकर्ताओं पर हुए कई हमलों का जिक्र किया है। केजरीवाल ने चिट्ठी में मांग रखी है कि नई दिल्ली विधानसभा में स्वतंत्र पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएं। चुनाव आयोग कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे। ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार पुलिसवालें तुरंत सस्पेंड किया जाए और हमला करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

गुजरात: बस खाई में गिरी, पांच श्रद्धालुओं की मौत

35 जख्मी, सभी मप्र के रहने वाले, 48 तीर्थयात्री त्र्यंबकेश्वर से द्वारका जा रहे थे

अहमदाबाद। गुजरात के डांग जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक निजी बस गहरी खाई में गिर गई। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई। 17 गंभीर रूप से घायल हैं।

पुलिस के मुताबिक, यह हादसा रविवार सुबह करीब 4.15 बजे हुआ। सापुतारा हिल स्टेशन के पास बस ड्राइवर ने बस पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे वह खाई में गिर गई।

बस महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर से 48 तीर्थयात्रियों को लेकर गुजरात के द्वारका जा रही थी, तभी यह दुर्घटना हुई। अधिकारी ने कहा कि तीर्थयात्री मध्य प्रदेश के गुना, शिवपुरी और अशोकनगर जिलों के थे। डांग कलेक्टर महेश पटेल ने कहा- ÷यात्रियों ने बताया, बस सापुतारा में रुकी थी। जहां चाय और नाश्ता किया गया। इसके बाद यात्रा दोबारा शुरू हुई। ऐसा लगता है कि ब्रेक फेल होने के कारण ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया।

23 दिसंबर को धार्मिक यात्रा पर निकले थे श्रद्धालु

जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के शिवपुरी, गुना और अशोकनगर जिलों से श्रद्धालुओं का दल 23 दिसंबर को धार्मिक यात्रा पर निकला था। ये लोग उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के अलग-अलग तीर्थ स्थलों की यात्रा कर रहे थे। कुल चार बसों में यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं में से एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

सोमवार को लोकसभा में पेश होगी वक्फ बिल पर जेपीसी की रिपोर्ट

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक की समीक्षा के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति की रिपोर्ट सोमवार को लोकसभा में पेश की जाएगी। वहीं पैनल में मौजूद कई विपक्षी सांसदों का कहना है कि उनके असहमति नोट को बिना उनकी जानकारी के ही हटा दिया गया। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बुलेटिन में कहा गया है कि समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल और सदस्य संजय जायसवाल सोमवार को लोकसभा में रिपोर्ट पेश करेंगे। समिति ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को रिपोर्ट सौंप दी थी। समिति ने बुधवार को बहुमत से रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था, जिसमें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के सदस्यों द्वारा सुझाए गए संशोधन शामिल किए गए थे।

एमपी और सीजी निदेशालय के गणतंत्र दिवस शिविर दल के कैडेटों द्वारा एनसीसी नाइट

भोपाल। इस वर्ष दिल्ली में एनसीसी गणतंत्र दिवस प्रतियोगिताओं में बेहद सफल प्रदर्शन के बाद एमपी और सीजी एनसीसी निदेशालय गणतंत्र दिवस दल दिल्ली से भोपाल लौट आया जैसा कि प्रथागत है, 01 फरवरी 2025 को सैन्य स्टेशन भोपाल के लिए एमपी और सीजी निदेशालय द्वारा पांचजन्य सभागार में एक एनसीसी नाइट का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में सेवारत और सेवानिवृत्त सेना कर्मियों और उनके परिवारों सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और नागरिक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। एमपी एवं सीजी निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल विक्रांत एम धुम्ने ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य अतिथि द्वारा गणतंत्र दिवस शिविर के मेधावी कैडेटों को पदक और पुरस्कार प्रदान किए जाने के बाद आरडीसी दल के कैडेटों द्वारा एक

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस वर्ष एमपी और सीजी निदेशालय ने गौरव हासिल करते हुए 17 निदेशालयों में से कुल मिलाकर चौथा स्थान हासिल किया और यह स्थान 18 वर्षों के बाद प्राप्त हुआ। 2 एक्स कैडेटों को %अखिल भारतीय सर्वश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता% में स्वर्ण पदक और 02 एक्स कैडेटों को रजत पदक से भी सम्मानित किया गया है और निदेशालय द्वारा कई व्यक्तिगत और समूह पुरस्कार जीते गए, जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष गणतंत्र दिवस शिविर एक उच्च उपलब्धि रही। मेजर जनरल सुमित कबथियाल, जीओसी, पीएमपी सब एरिया ने कैडेटों की सराहना की और एक प्रेरक टॉक पोस्ट दी, जिसमें कैडेटों को हाई टी दी गई।

अब तक का सबसे अच्छा बजट, विकसित भारत बनाने के लक्ष्यों को मिलेगी दिशा: आलोक शर्मा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को अब तक का सबसे अच्छा बजट पेश किया है। इससे देश का विकास और गति पकड़ेगा। 2025-26 का बजट देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्यों को दिशा देगा। यह कहना है भोपाल सांसद आलोक शर्मा का। उन्होंने बताया कि बजट की सबसे बड़ी विशेषता ये है कि इसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। गरीब, किसान, महिला, युवाओं के साथ ही मध्यम वर्ग की खुशहाली पर इस बजट में ध्यान दिया गया है। इनकम टेक्स में छूट की सीमा 12 लाख तक किए जाने से इस दायरे में आने वाले लोगों को इसका लाभ मिलेगा और वे सम्मानपूर्वक जीवन यापन करेंगे। इस बजट से किसान संपन्न और बहनें आत्मनिर्भर बनेंगीं। वरिष्ठ नागरिकों को टैक्स में छूट दी गई है। कई जीवन रक्षक दवाओं को टैक्स में छूट दी गई है। सांसद शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार गरीबों की सरकार है। विकास और कल्याण की योजनाओं पर लगातार प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस बजट से पूरे देश में खुशी का माहौल है। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि विपक्ष को इस बजट पढ़ने की जरूरत है।

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करता है बजट: रविंद्र यति

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के भोपाल जिला अध्यक्ष श्री रविंद्र जाती ने कहा कि केंद्रीय बजट विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने वाला बजट है । श्री रविंद्र यति ने कहा कि यह बजट देश की अर्थव्यवस्था के नये आयाम को स्वरूप देगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में हमारे गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को सशक्त व सक्षम बनाने के प्रावधान किए गए हैं। इसमें एक तरफ जहां शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं, वहीं मेडिकल एजुकेशन और आईआईटी में 75 हजार सीटें बढ़ाने की घोषणा भी की गई है। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों के लिए प्रधानमंत्री धन धान्य योजना की घोषणा की गई है, जिससे देश के 100 जिले और 1.70 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे।

बजट देश के विकास का विजन दिखाता है: सुमित पचौरी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व भोपाल जिला अध्यक्ष श्री सुमित पचौरी ने कहा कि केंद्रीय बजट देश के विकास का विजन दिखाता है। सुमित पचौरी ने कहा कि केंद्रीय बजट का फोकस विकास में तेजी लाने, सुरक्षित समावेशी विकास, निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने, घरेलू खर्च में वृद्धि और देश के उभरते मध्यम वर्ग की खर्च करने की शक्ति को बढ़ाने पर है। इस बजट में 12 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। वहीं, आवश्यकता होने पर 4 साल का इन्कम टैक्स रिटर्न एकसाथ फाइल किया जा सकेगा। इसके साथ ही सीनियर सिटीजंस के लिए टीडीएस की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दी गई है।जनता को खुश करने वाला बजट है। यह विकसित भारत के अटल संकल्प की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है।

केंद्रीय बजट गरीब, अन्नदाता, नारी शक्ति और नौजवानों को सशक्त बनाएगा- राजेंद्र गुप्ता

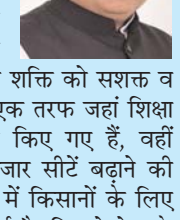

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के भोपाल जिला मीडिया प्रभारी श्री राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि बजट में देश में सबसे अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने वाले एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए लोन गारंटी कवर 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ करने का प्रावधान है। वहीं, स्टार्टअप के लिए लोन सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए की जाएगी। गारंटी फीस भी कम की जाएगी। खिलौना उद्योग के लिए मेक इन इंडिया के तहत विशेष योजना शुरू की जाएगी। सरकार देश के आईआईटी में अधोसंरचना का विकास करेगी तथा इनकी क्षमता बढ़ाई जाएगी। पटना आईआईटी का विस्तार किया जाएगा। आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को देखते हुए सरकार एक्सीलेंस फॉर आर्टीफीशियल फॉर एआई के लिए 500 करोड़ का प्रावधान करेगी। मेडिकल एजुकेशन के क्षेत्र में में अगले 5 साल में 75 हजार सीटें बढ़ाई जाएंगी। कौशल विकास के लिए पांच पीएम स्वनिधि योजना से 68 लाख गरीबों को फायदा मिला है। अब उनके लिए पहचान पत्र और ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की जाएगी।

शिविर में 270 ड्रायवरों के नेत्र रोगों की जांच, उपचार की दी सलाह

संत हिरदाराम नगर। डी.सी.पी. संजय सिंह ने सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, यातायात पुलिस और स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के सहयोग से लोकपरिवहन के ड्रायवरों के लिये नि:शुल्क दृष्टि दोष, नेत्र और दंत रोग परीक्षण शिविर का शुभारंभ किया। सड़क सुरक्षा माह में यातायात जागरूकता के लिये परवाह थीम के अंतर्गत नादरा बस स्टेण्ड पर लगे शिविर में दृष्टि दोष और नेत्र व्याधियों से पीड़ित 270 ड्रायवरों ने अपनी आंखों और 210 व्यक्तियों ने दांतों की जांच करवाई। इनमें 200 ड्रायवरों को दृष्टि दोष तथा 24 को मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए। सेवा सदन द्वारा कमजोर दृष्टि वाले 123 ड्रायवरों को चश्में तथा नेत्र व्याधियों से पीड़ित 172 को नि:शुल्क ड्राप्स प्रदान किए गए। इनके अतिरिक्त 28 ड्रायवरों को अपनी आंखों की जांच सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय जाकर करवाने की सलाह दी गई। अस्पताल द्वारा 220 लोगों के ब्लड प्रेशर की जांच की गई जिनमें से 9 का रक्तचाप बढ़ा हुआ मिला। डायबिटीज की शिकायत 17 व्यक्तियों में पाई गई। दंत रोग में 35 रोगियों को आर.सी.टी. 50 को एक्स्ट्रेक्शन तथा शेष को अन्य रोगों की शिकायतें पाई गई। इन सभी लोगों को आवश्यकतानुसार दांतों का इलाज करवाने की सलाह दी गई।

SEIL यात्रा प्रतिनिधियों का भोपाल आगमन, भोपाल के कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित SEIL यात्रा के अंतर्गत पूर्वोत्तर भारत से आए प्रतिनिधि कल रात भोपाल पहुंचे। भोपाल रेलवे स्टेशन पर छात्रों एवं अभाविप कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में प्रतिनिधियों का भव्य स्वागत किया। SEIL यात्रा को एकात्मता यात्रा भी कहा जाता है, जिसका उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली से जोड़ना है। इस यात्रा के माध्यम से प्रतिभागी विभिन्न राज्यों की संस्कृति और समाज के बारे में गहन अनुभव प्राप्त करेंगे। प्रतिनिधियों को भोपाल के विभिन्न मेजबान परिवारों में ठहराया जाएगा। इस दौरान वे भोपाल के विभिन्न स्थानों एवं शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण करेंगे। 4 फरवरी को एक भव्य नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें शहर के गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद एवं विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता शामिल होंगे। अभाविप की यह पहल वर्षों से एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त कर रही है और भारत की सांस्कृतिक विविधता में एकता को मजबूती प्रदान कर रही है।

निगम आयुक्त ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में किया सफाई व्यवस्था का अवलोकन

सड़कों पर कचरा, गंदगी फैलाने वाले व्यवसायियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के दिये निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को उच्च स्तरीय बनाने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के निर्धारित मापदण्डों अनुसार साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का अवलोकन करते हुए निर्देशित किया कि शहर में जहां कहीं भी अवैध रूप से लगे कटआउट, बैनर, पोस्टर तत्काल हटवाने, विभिन्न स्थानों पर कचरे, मिट्टी की ढेरियां साफकराने, सड़कों पर कचरा, गंदगी, प्लास्टिक गिलास आदि फैलाने वाले शराब की दुकानों सहित अन्य दुकानदारों के विरूद्ध सख्ती से स्पॉट फाईन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने सेन्ट्रल वर्ज, साइड वर्ज आदि की साफ-सफाई एवं बेहतर संधारण करने के निर्देश भी समक्ष में एवं वी.सी.के माध्यम से दिए। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने शनिवार को सुभाष नगर, अशोका गार्डन, रेल कोच फैक्ट्री, राजेन्द्र नगर, भारत टॉकीज, जहांगीराबाद, माता मंदिर, न्यू मार्केट, लिंक रोड नं. 02, पुल पुख्ता आदि क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया और समक्ष में तथा वी.सी.के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों के किनारे, सेन्ट्रल वर्ज, बिजली के खंबों सहित अन्य स्थानों पर अवैध रूप से लगे कटआउट, बैनर, पोस्टर, पम्पलेट आदि तत्काल हटवाये और संपत्ति विरूपण करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें। निगम आयुक्त ने शराब की दुकानों व अन्य दुकानों के आसपास कचरा, गंदगी, प्लास्टिक के गिलास, पन्नी, पानी की बाटलें आदि फैलाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित दुकानदारों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने सुभाष नगर ओवर ब्रिज, अशोका गार्डन रोड आदि पर लगे कटआउट, बैनर हटाने, सेन्ट्रल वर्ज, साइड वर्ज के किनारे पड़ी मिट्टी को बेहतर ढंग से साफ कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने रेल कोच फैक्ट्री राजेन्द्र नगर क्षेत्र में साइड वर्ज की ड्रेसिंग कराने, पानी की टंकी के आसपास एकत्र पानी व गंदगी को तत्काल साफ कराने, राजेन्द्र नगर रेल कोच फैक्ट्री, रेल्वे स्टेशन क्षेत्र पर रेल्वे लाईन के किनारे व अन्य स्थानों पर लगी कचरे की ढेरियां, पन्नियां व दुकानों के सामने की गंदगी तत्काल साफ कराने के निर्देश दिए।

विवेकानंद पब्लिक स्कूल में हुआ बाल मेले का आयोजन

भोपाल। वी पी एस, विवेकानंद पब्लिक स्कूल नेहरू नगर और कोटरा ब्रांच द्वारा बाल मेले का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने हर प्रांत के अलग अलग प्रकार के व्यंजन के स्टाल लगाए। खाने की सेल अकल्पनीय रही। जिसने, बच्चों को स्वरोजगार करने के लिए प्रेरित किया। स्वयं पैरेंट्स ने भी हर व्यंजन का स्वाद लिया एवं, गेम्स के काउंटर पर गेमस खेल कर अपने स्कूल के दिनो को याद किया और कार्यक्रम को सफल बनाया। बच्चों के लिए स्लाइड्स, झूले, सेल्फी कॉर्नर और साइंस एग्जीबिशन रहे विशेष आकर्षण का केंद्र रहें।

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे सलाहकार समिति की बैठक में अनेक मुद्दों पर चर्चा

स्टेशन पर बन रहे दोनों एफओबी को रेलवे स्टेशन के बाहर तक बढ़ाने की उठी मांग

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर में 21 करोड़ की लागत से चल रहे पुर्नविकास के कार्यो जिसका भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 6 अगस्त 2023 को आन लाइन दिल्ली से किया था, उसके अन्तर्गत निर्माणाधीन दो एफओबी को स्टेशन के बाहर तक बढ़ाए जाने की मांग उठी है। शनिवार को रेलवे सलाहकार समिति की बैठक में सदस्यों ने इसके लिए जोर दिया, ताकि स्टेशन के एक तरह से दूसरी तरफ जाने वाले राहगीरों को परेशानी न हो। स्टेशन अधीक्षक एमए अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सदस्य एवं पार्षद अशोक मारन, शिक्षाविद आनंद सबधाणी, पंचायत महासचिव सुरेश जसवानी के अलावा पश्चिम-मध्य रेल मण्डल भोपाल के इंजीनियरिंग विभाग के सीनियर इंजीनियर मनोज कुमार, इलेक्ट्रीकल्स विभाग से सीनियर इंजीनियर एमएच परवेज एवं आरपीएफ से उप निरीक्षक महेन्द्र कुमार गुर्जर उपस्थित थे। जबकि सलाहकार समिति के दो अन्य सदस्य भोपाल चेम्बर आफ कामर्स से जुड़े चन्द्रप्रकाश इसरानी एवं विधायक प्रतिनिधि राम बंसल रैनवाल शहर से बाहर होने के कारण बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

कवर्ड होगा पूरा स्टेशन: बैठक में निर्माण कार्य से जुड़े सीनियर इंजीनियर मनोज कुमार ने बताया कि अमृत भारत योजना के अन्तर्गत स्टेशन का समुचित विकास किया जा रहा है। पूरा स्टेशन कर्वड होगा, सेकण्ड एंट्री बावत उन्होंने बताया कि इसका भी विकास किया जा रहा है इसकी मुख्य सड़क निर्माण कर दिया गया है, और आने वाले समय में अन्य कार्य भी किए जाएंगे। स्टेशन के बाहर सड़क का निर्माण मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। स्टेशन के भीतर के काम भी जल्द से जल्द पूरे करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे राजधानी का सुंदर स्टेशन बनाने की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

कवर होंगी खुली तारें: इस मौके पर इलेक्ट्रीकल विभाग के सीनियर इंजीनियर एमएच परवेज ने बताया कि स्टेशन पर शेड के विस्तार का काम जहां तेजी से जारी है, वहीं वर्तमान शेड के नीचे जो खुली तारें नजर आ रही हैं, उन्हें कवर किया जा रहा है। इसी तरह जिस शेड का विस्तार किया जा रहा है, वहां नए पंखे लगाए जा रहे हैं। विद्युत संबंधी जो भी कार्य हैं, उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास हो रहा है।

सदस्यों ने दिए सुझाव: बैठक में रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य सुरेश जसवानी, अशोक मारन एवं आनंद सबधाणी ने भोपाल इंदौर मुख्य मार्ग से स्टेशन के प्रवेश रोड के सीमेंट कांक्रीट अथवा डामरीकरण के लिए नगर निगम कमिश्नर को पत्र लिखने, स्टेशन के समीप जहां पुलिस क्वाटर बने हैं, ओर जर्जर हो चुके हैं, उसे वैकल्पिक मार्ग के रूप में विकसित करने, स्टेशन से लेकर धोबीघाट नर्मदा स्वीट तक सड़क निर्माण जो नगर निगम की तरह से स्वीकृत हो चुका है, वह काम जल्द से जल्द प्रारंभ करने के लिए भी रेलवे की तरफ से नगर निगम को पत्र लिखने का सुझाव दिया। इसी तरह डा. बालानी क्लीनिक के सामने स्टेशन जाने वाले मार्ग हेतु संकेत बोर्ड लगाने का भी सुझा दिया, ताकि भोपाल से स्टेशन आने वाले यात्रियों को आसानी हो।

वाहन जब्त करने में बरतें नरमी: सलाहकार समिति के तीनों सदस्यों ने जब तक रेलवे स्टेशन के विकास एवं विस्तार का काम चल रहा है, तब तक स्टेशन के बाहर पार्क होने वाले वाहनों को जब्त करने में नरमी बरते जाने का भी सुझाव दिया ताकि मेहमानों को स्टेशन पर छोड़ने आने वालों को परेशानी न हो। बैठक के बाद अधिकारियों एवं समिति के सभी सदस्यों ने चल रहे निर्माण कार्यो खासतौर पर एफओबी एवं शेड विस्तार कार्य का निरीक्षण किया।

आनंद सबधाणी का किया सम्मान: स्टेशन के प्रवेश मार्ग पर साजन सरिता क्लाथ स्टोर के समीप समिति के सदस्य के तौर पर 15 हजार की निजी लागत से संकेत बोर्ड लगाने पर बैठक में आनंद सबधाणी का सभी ने शाल ओढ़ाकर एवं हार फूलों से स्वागत करते हुए आभार माना गया।

नर्सिंग प्रथाओं में उत्कृष्टता श्रेणी में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा अवार्ड प्राप्त करते हुए हजेला अस्पताल के चेयरमेंन डॉ. अनूप हजेला। एनएबीएच के चेयरमैन रिजवान कोइता साहब के साथ NABH से जुड़ी कठिनाइयों पर चर्चा की एसोसिएशन ऑफ हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और राहुल खरे सचिव के रूप में हमारे राज्य का प्रतिनिधित्व किया, साथ ही डॉ उमेश शारदा एमपीएनएचए राज्य शाखा के अध्यक्ष हैं।

मप्र के सरकारी कर्मचारियों के महाकुंभ जाने पर रोक, सरकार ने दिए आदेश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश की राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है जिसके तहत राज्य के सरकारी कर्मचारी और अधिकारी महाकुंभ के दौरान संगम स्नान के लिए प्रयागराज नहीं जा सकेंगे। यह निर्णय विशेष रूप से शिक्षा विभाग में लागू किया गया है, क्योंकि इस समय राज्य में मध्य प्रदेश बोर्ड की परीक्षाएं हो रही हैं। राज्य सरकार ने एसेंशियल सर्विसेज मैनेजमेंट एक्ट (एस्मा) लागू कर दिया है, जो कि 24 फरवरी से शुरू होने वाली 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इस फैसले के तहत कर्मचारियों, अधिकारियों और शिक्षकों के अवकाश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, खासकर उन कर्मचारियों को जो महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज जाना चाहते थे।

एस्मा लागू होने का कारण और अवधि: मध्य प्रदेश सरकार ने एस्मा (एसेंशियल सर्विसेज मैनेजमेंट एक्ट) को 15 फरवरी से 15 मई तक लागू किया है। यह निर्णय खासतौर पर 24 फरवरी से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए लिया गया है। सरकार ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं को अति आवश्यक सेवा घोषित कर दिया है, जिसके कारण शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए कोई अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। इस आदेश के तहत कर्मचारियों को छुट्टी लेने की अनुमति नहीं होगी और खासकर उन कर्मचारियों को छुट्टी नहीं दी जाएगी जो महाकुंभ में शामिल होने के लिए आवेदन कर रहे थे।

शिक्षकों के लिए छुट्टी पर प्रतिबंध: भोपाल के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) एनके अहिरवार के अनुसार, बोर्ड परीक्षाएं अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं और स्कूलों में परीक्षा की तैयारियां चल रही हैं। इसलिए शिक्षकों को अवकाश देने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग ने पहले ही शिक्षकों के अवकाश न देने के संबंध में आदेश जारी कर दिए थे। इसके अलावा, एस्मा लागू होने के बाद अब कोई भी शिक्षक, कर्मचारी या अधिकारी हड़ताल या प्रदर्शन करने की स्थिति में भी नहीं होगा, क्योंकि एस्मा के तहत ऐसे किसी भी गतिविधि पर रोक लगा दी जाती है।

एस्मा का प्रभाव: एस्मा लागू होने के बाद सरकारी कर्मचारियों को न केवल छुट्टी लेने में कठिनाई होगी, बल्कि वे किसी भी प्रकार के प्रदर्शन या हड़ताल में भी शामिल नहीं हो सकेंगे। यह कदम खासकर बोर्ड परीक्षाओं की सुचारु रूप से संचालन और विद्यार्थियों की परीक्षा में किसी प्रकार की रुकावट से बचने के लिए उठाया गया है।

भोपाल। बसंत पंचमी पर न्यू मार्केट के खेड़ापति मंदिर में सरस्वती मां की पूजा करते हुए ट्रस्टी गोपाल मेहता।

पूजा मीना का हुआ सम्मान, छोटे से गांव तारासेवनीया देव नगरी की बिटिया ने दिल्ली में दी सलामी

भोपाल। गणतंत्र दिवस पर प्रथम महिला अधिकारी के रूप में रेलवे सुरक्षा बल का लाल किले पर परेड कर्तव्य पथ पर नेतृत्व करके प्रदेश एवं ग्राम तारा सेवनिया को गौरवांवित करने वाली गांव की बेटी, बहन पूजा मीना का स्वागत सम्मान किया किसान बद्री प्रसाद मीणा की छोटी बिटिया पूजा मीणा का सभी ग्राम वासियों द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया इस अवसर पर उनकी बड़ी बहन कल्पना मीणा धर्म सिंह मारण- आर्मी ऑफिसर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष लखन सिंह मीना, डां नरेश मारण- मेडिकल ऑफिसर संतोष मारण- पुलिस अचारपुरा मीना प्रकाश मीणा संतोष मीणा मेला समिति के अध्यक्ष विक्रम सिंह मीना, मध्य प्रदेश मीना समाज सेवा संगठन के प्रदेश प्रचार मंत्री बी एल मारण, अशोक मीना चांदपुर, ग्राम पंचायत तारा सेवनिया के सरपंच प्रतिनिधि पातीराम मेहरा पूर्व सरपंच निर्देश मीणा पूर्व सरपंच प्रेम नारायण मीणा राजाराम मीणा रामफूल मीणा भगवान सिंह मीणा उपदेश मीणा सुनील मीणा मुकेश मीणा जीतू मीणा बिल्ला साहू अखिलेश मीणा सीताराम मीणा घनश्याम मीणा जी महाराज कैलाश मीणा कैलाश मीणा भागम मीना मोहन मीणा अखिलेश मीना ओम रामफूल मीना, राजाराम मीना, हिरदेश मीना, उपदेश मीना, ओम प्रकाश मीना, जितेंद्र मीना, सुनील मीना, कमलेश मीना, संतोष कुमार मीना (मध्य प्रदेश पुलिस), प्रकाश मीणा राम नारायण मीणा गोलू मीणा परमेश्वर कुशवाहा इमारत लाल मीना सहित सैकड़ों ग्रामवासियों ने गांव तारा सेवनिया की बिटिया पूजा मीना का स्वागत किया।

भोपाल। बसंत पंचमी पर कई जगह बसोत्सव मनाकर मां सरस्वती का पूजन किया गया।

भीमराव अंबेडकर सेतु में खामियां पाए जाने पर 2 सस्पेंड, 2 जवाब-तलब

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक बनाए गए फ्लाय ओवर 'भीमराव अंबेडकर सेतु' का आज पीडब्लयूडी के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने निरीक्षण किया। विभाग के प्रमुख अभियंता सेतु मंडल के वरिष्ठ अधिकारी तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भोपाल के क्षेत्रीय अधिकारी मुख्य अभियंता श्रवण कुमार सिंह भी उनके साथ इस निरीक्षण में शामिल थे। उल्लेखनीय है कि इस फ्लाय ओवर का उद्घाटन मुख्यमंत्री ने किया था। निरीक्षण में खामियां पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की गई। गुणवत्ता में सुधार की गुंजाइश और मैन्युअल रूप से पटरी में किए गए कंक्रीट कार्य में पाई गई कमियों के आधार पर भी कार्रवाई की गई। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के उपयंत्री उमाकांत मिश्रा एवं प्रभारी सहायक यंत्री रवि शुक्ला जो परियोजना के प्रभारी हैं, उनके तकनीकी निरीक्षण में यह एलिवेटेड कॉरिडोर पूरा किया गया है, उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग (भोपाल) के कार्यपालन यंत्री (ईई) जावेद शकील को पर्यवेक्षक में लापरवाही के फलस्वरुप कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया एवं मुख्य अभियंता सेतु परिक्षेत्र भोपाल जीपी वर्मा से भी स्पष्टीकरण मांगा गया। अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने सेतु निर्माता कंपनी अनुबंधकर्ता के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के विभाग को निर्देश दिए। संबंधित कंपनी पर अनुबंधात्मक अर्थदंड लगाए जाने एवं सुधारात्मक कार्रवाई अपने व्यय पर कराए जाने के भी निर्देश दिए। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी मुख्य अभियंता श्रवण कुमार सिंह द्वारा दिए गए तकनीकी सुझावों के आधार पर ब्रिज के विभिन्न डिजाइन किए हुए गैप सीलेंट आदि लगाए जाकर राइडिंग सरफेस को उच्च गुणवत्ता का बनाए जाने के भी निर्देश दिए। इस फ्लाय ओवर के बारे में पिछले कई दिनों से शिकायतें सामने आ रही थी। इसी को देखते हुए आज अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने भौतिक परीक्षण किया। इसका कारण यह भी है कि इस फ्लाई ओवर को लेकर अखबारों में भी कई शिकायतें प्रकाशित हुई। बताया गया कि किनारे की पटरियां जो क्रैश बैरियर और मुख्य कैरेज-वे के बीच में लगभग 18 इंच चौड़ी है का मुख्य स्लैब से जोड़ के कार्य की गुणवत्ता अपेक्षित स्तर की नहीं पाई गई। इस वजह से पटरी के किनारे अनेक स्थानों पर मुख्य स्लैब और पटरी के जोड़ों में शरण होने के चिन्ह स्पष्ट दिखाई दिए। निरीक्षण के दौरान तकनीकी अधिकारियों ने बताया कि लगभग 3 किलोमीटर लंबे फोर लेन के इस डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सेतु की डिजाइन और सुरक्षा स्ट्रक्चरल गुणवत्ता तथा अन्य किसी मामले में कोई शिकायत नहीं है। परंतु नवनिर्मित लोकार्पित हुए महत्वाकांक्षी परियोजना के राइडिंग सरफेस की गुणवत्ता तथा फिनिशिंग कार्य निरीक्षण में संतोषप्रद नहीं पाई गई। विशेष रूप से दो-दो स्थानों पर जहां एक्सपेंशन जॉइंट लगाए गए थे, वहां अधिक क्षरण होना पाया गया। मौके पर बताया गया मुख्य कैरेज-वे का कार्य पेवर मशीन से किया गया था। परंतु किनारे के 18 इंच की पटरी को मैन्युअल भरा गया, क्योंकि वहां पेवर मशीन चलाना संभव नहीं था।

वोट क्लब रोड स्थित जीवन वाटिका पार्क में महापौर मालती राय ने नगर निगम द्वारा पौधारोपण किया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष एवं एमआईसी सदस्य रविंद्र यति एवं अधिकारी गण उपस्थित रहे।

अपर मुख्य सचिव डॉ राजौरा सिंहस्थ 2028 के विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे

उज्जैन। मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव डॉ राजेश राजौरा की अध्यक्षता में आगामी सिंहस्थ 2028 महापर्व के अंतर्गत विकास कार्यों की समीक्षा बैठक रविवार 2 फरवरी को प्रात: 10:00 बजे प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में आयोजित की जाएगी। डॉ राजौरा के द्वारा सर्वप्रथम बाह्य सड़क एवं परिवहन तत्पश्चात आंतरिक मार्गों का चौड़ीकरण, विद्युत व्यवस्था, पानी की व्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था, पुलिस, आपदा, सुरक्षा एवं संचार एवं आईटी व्यवस्था, साफ सफाई की व्यवस्था, मंदिरों का सौंदर्यीकरण/विकास और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा की जाएगी। बैठक में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहेंगे।

सर्वोत्तम आचरण बने जिला सहकारी बैंक की पहचान: मंत्री सारंग

समन्वय भवन में जिला सहकारी बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सर्वोत्तम आचरण जिला सहकारी बैंक की पहचान बने। उसके अच्छे कार्यों की मार्केटिंग की जाये। हर बैंक के कर्मचारियों की आचरण और व्यवहार की ऑनलाइन ट्रेनिंग करवाई जाये। उन्होंने कहा कि नवाचार और अच्छा काम करने के लिये बैंक के हर स्तर पर प्रतिस्पर्धा हो तथा साल के अंत में उत्कृष्ट कर्मी को सम्मानित भी किया जाये। मंत्री श्री सारंग शनिवार को अपेक्स बैंक के समन्वय भवन में जिला सहकारी बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

सहकारी बैंक के सुदृढ़ीकरण पर दें ध्यान: मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारी बैंकों को अपनी साख के लिये काम करना होगा। उसमें पारदर्शिता लानी होगी और सुनिश्चित करना होगा कि बैंक में डिपॉजिट पूरी तरह से सुरक्षित रहे। बैंक को वसूली आदि नियमित कार्य के साथ सुदृढ़ीकरण पर ध्यान देना होगा। डिपॉजिट, टर्म लोन, सेफ लोन देने के मामलों काम करना होगा। उन्होंने कहा कि बैंक के कर्मचारियों का कार्य-व्यवहार, संवाद और बैंक का माहौल सकारात्मक हो। काम को चैलेन्ज के रूप में लें। कमजोर बैंकों को अच्छे पर लाने और अच्छे को कमजोर न होने देने की दिशा में काम कर आगे बढ़ना होगा।

सहकारी बैंक प्रोफेशनल एप्रोच के साथ करें काम: मंत्री श्री सारंग ने कहा कि डिफाल्ट किसानों के बारे में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अवगत करवायें, ताकि वे लोन चुकाने के लिये उन्हें मोटिवेट कर सकें। कलेक्टर के साथ राजस्व अमले से भी संवाद स्थापित करें, जिससे को-आर्डिनेशन और को-आपरेशन के जरिए सहकारी बैंक से सरकारी अमला भी जुड़ सके। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बैंक प्रोफेशनल एप्रोच के साथ काम करें। हरेक पेक्स 2-3 कर्मियों की ऑनलाइन ट्रेनिंग करवाई जाये। उन्होंने कहा कि 2-3 माह में वसूली के प्रकरणों का निराकरण करें। इसके लिये लम्बी प्रक्रिया न हो, काम को स्पीड-अप करें। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि कमजोर पेक्स के उन्नयन एवं उत्थान के लिये काम किया जाये। वर्गीकरण कर उसे मजबूत बनाया जाये। प्रत्येक पंचायत में पेक्स हो, नई पेक्स को बहुउद्देशीय बनाया जाये। सहकारिता से जुड़े विभागों का सहयोग लिया जाये। उन्होंने कहा कि नई सोसायटी के लिये फेडरेशन भी बनाया जा रहा है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकार- सभा के माध्यम से कॉलेजों में सहकारिता को लेकर ओरिएंटेशन प्रोग्राम हों। बैंकों में 100 प्रतिशत ऑडिट हों, एक भी बैकलॉक नहीं रहे। हरेक बैंक के नवाचार एवं अच्छे कामों का प्रचार-प्रसार हो, इसके लिये व्हाटसएप ग्रुप के माध्यम से सफलता की कहानी मुख्यालय पर प्रेषित की जाये, ताकि सोशल- मीडिया जैसे माध्यम से लोग अवगत हों।

कृषि विकास को अग्रणीय बनाने में सहकारी बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका: अपर मुख्य सचिव सहकारिता अशोक बर्णवाल ने कहा कि कृषि विकास को अगले स्तर पर ले जाने के लिये सहकारी बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिये पेक्स को मजबूत कर बिजनेस बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। पेक्स को मल्टीपर्पस बनाया जाना होगा। बिजनेस अवसर के डेवलपमेंट प्लान डिजाइन करने होंगे। माइक्रो एटीएम का उपयोग बढ़ाया जाना होगा। सहकारी बैंक अपनी सर्विसेस बढ़ाये जिससे आसान ट्रॉजेक्शन से ग्राहकों को सुविधा हो।

आयुक्त सहकारिता व पंजीयक श्री मनोज पुष्प ने बैठक के उद्देश्यों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि बैठक हर माह होती है और डिस्ट्रिक लेवल की मॉनिटरिंग के साथ क्रेडिट मूवमेंट पर भी ध्यान दिया जाता है। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर सहकारिता मंत्री की मंशानुरूप प्रत्येक पंचायत को समिति का सदस्य बनायें एवं सहकार-सभा का हर पंचायत में आयोजन कर जनप्रतिनिधियों को इनमें आमंत्रित कर उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाये। इससे अधिक से अधिक लोगों का सहकारी बैंकों से जुड़ाव होगा और केंद्र शासन का सहकार से समृद्धि का संकल्प भी क्रियान्वित होगा।

उप सचिव सहकारिता श्री मनोज सिन्हा ने कहा कि पैक्स से वही किसान खाद ले सकेगा जो सदस्य होगा। उप महाप्रबंधक श्री आर.एस.चंदेल ने माइक्रो एटीएम के उपयोग पर प्रकाश डाला। चार्टर्ड एकाउंटेंट श्री अमूल्य रांहणेकर ने रिजर्व बैंक और नाबार्ड की गाइड लाइन के तहत अपेक्स बैंक, जिला बैंक व समितियों की वित्तीय कार्यप्रणाली में सावधानी रखने के लिये विभिन्न तकनीकी जानकारी पर मार्गदर्शन दिया। बैठक का संचालन उप महाप्रबंधक श्री के.टी.सज्जन एवं प्रबंधक श्री करुण यादव ने किया।

बैठक में अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर सर्वश्री अम्बरीष वैद्य, अरुण मिश्र, अरविन्द बौद्ध, आर.एम. मिश्र और सुश्री कृति सक्सेना ने भी मार्गदर्शन दिया। बैठक में नवाचार के अनेक विषयों पर कुछ वीडियो क्लिपिंग भी दिखाई गईं। बैठक में सहकारिता विभाग, अपेक्स बैंक एवं 38 जिला बैंकों के अधिकारी उपस्थित हुए।

हकीकत बताती आर्थिक समीक्षा

आर्थिक समीक्षा में स्पष्ट कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार वैसी नहीं रहेगी जैसी पिछले कुछ वर्षों के दौरान दिखी थी। संसद में शुक्रवार को पेश की गई वित्त वर्ष 2024-25 की आर्थिक समीक्षा में अनुमान जताया गया है कि अर्थव्यवस्था की गति वित्त वर्ष 2025-26 में 6.3 से 6.8 प्रतिशत के बीच रह सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रह सकती है, जो पिछले वित्त वर्ष में 8.2 प्रतिशत थी। पिछली समीक्षा में चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर का अनुमान 6.5 से 7.0 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया गया था। अब माना जा रहा है कि चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत के इर्द-गिर्द ही रह सकती है। समीक्षा में आर्थिक हालात को लेकर जो बातें कही गई हैं वे वास्तविक लग रही हैं।

समीक्षा में मध्यम से दीर्घ अवधि की उन चुनौतियों की भी विस्तार से चर्चा की गई है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए कम से कम अगले एक दशक तक भारत को सालाना 8 प्रतिशत की रफ्तार से वृद्धि करनी होगी। समीक्षा में कहा गया है कि यह लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत में निवेश की दर बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 35 प्रतिशत तक करनी होगी, जो इस समय लगभग 31 प्रतिशत है।

भारत को विनिर्माण क्षेत्र का आकार भी बढ़ाना होगा और तेजी से दुनिया में धाक जमा रही तकनीकों में निवेश बढ़ाना होगा। समीक्षा में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का भी उल्लेख किया गया है। आने वाले वर्षों में भारत को गैर-कृषि क्षेत्रों में 78.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर भी तैयार करने होंगे। दीर्घ अवधि तक टिकाऊ वृद्धि दर जारी रखने के लिए सबसे अधिक जरूरी निवेश दर बढ़ाना है मगर यह करना आसान नहीं होगा। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की मौजूदा स्थिति को देखते हुए विदेशी बचत के साथ कमी की भरपाई करने में परेशानी होगी। अगर पूंजी प्रवाह में विभिन्न कारणों से रुकावट आती है तो चालू खाते के घाटे का टिकाऊ स्तर जीडीपी का 2.5-3.0 प्रतिशत (अनुमानित) नहीं बल्कि इससे कहीं कम रह सकता है। यानी घरेलू स्तर पर बचत में इजाफा करना होगा।

सरकार को भी खर्च में कमी करनी होगी। भारत को एफडीआई बढ़ाने के सभी प्रयास करने चाहिए मगर इसे निवेश के स्तर पर भी अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। समीक्षा में कहा गया है कि इसके लिए सरकार को कारोबार करना सुगम बनाने के साथ ही नियम-कायदे आसान एवं सहज बनाने होंगे। समीक्षा में कहा गया है, 'कारोबार करना सुगम बनाने की पहल (ईओडीबी) 2.0 की जिम्मेदारी राज्यों सरकारों पर होनी चाहिए। राज्य सरकारों को कारोबार की राह में बाधाओं की पहचान कर उन्हें दूर करने के उपाय करने होंगे'। उदाहरण के लिए राज्य भूमि, भवन, परिवहन, श्रम और लॉजिस्टिक सहित अन्य पहलुओं पर नियम दुरुस्त एवं सरल कर सकते हैं। ये और बेहतर बनाए जा सकते हैं। नियमों के पालन का दबाव कम होने से वित्तीय एवं प्रबंधन स्तर के संसाधन आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में किए जा सकते हैं।

घरेलू मोर्चों पर सुधार के अलावा मध्यम अवधि में आर्थिक वृद्धि की रफ्तार काफी हद तक वैश्विक परिस्थितियों पर भी निर्भर करेगी। मध्यम अवधि में वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर इस शताब्दी के शुरुआती दो दशकों की तुलना में कमजोर रह सकती है।

भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर उथल-पुथल से भी भारत की आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है। इन सभी बातों का निर्यात पर भी असर होगा। भारत निर्यात के मोर्चे पर पहले ही पिछड़ गया है। समीक्षा में कहा गया है कि अगर शुल्क समझ-बूझ के साथ लगाए जाएं तो उन क्षेत्रों का विकास तेज हो सकता है जिनकी देश को फिलहाल अधिक जरूरत है। हाल के वर्षों में भारत ने शुल्कों में बढ़ोतरी की है इसलिए इस बात की समीक्षा भी होनी चाहिए कि इससे औद्योगीकरण में कितना सुधार हुआ है। कुल मिलाकर, केवल एक दस्तावेज में नीतिगत स्तर पर उत्पन्न सभी चुनौतियों से निपटने के उपायों का विस्तार से जिक्र करना मुनासिब नहीं है मगर आर्थिक समीक्षा में महत्त्वपूर्ण बिंदुओं का जिक्र किया गया है और इनसे नीतिगत उपायों को धार देने में मदद मिलनी चाहिए।

मानव जनित वैश्विक त्रासदी है भगदड़

तनवीर जाफ़री

गत 28 जनवरी की देर रात 1ः30 बजे के क़रीब संगम तट पर भगदड़ की घटनायें हुईं। इस दुर्भाग्यपूर्ण भगदड़ को लेकर कई अलग अलग दावे किये जा रहे हैं। स्वयं को प्रत्यक्षदर्शी बताने वाले कुछ लोगों का दावा है कि उस रात एक नहीं बल्कि 3 स्थानों पर भगदड़ हुईं। इनमें दो जगहें संगम मेला क्षेत्र में थीं और एक भगदड़ जी टी रोड पर भी हुई बताई जा रही है। इसी तरह मृतकों के आंकड़ों को लेकर भी अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं है। सैकड़ों लोग अपने बिछड़े परिजनों को तलाश रहे हैं। हज़ारों लोगों के जुते चप्पल व अन्य सामान लावारिस पड़े दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जिनकी फ़ोटो योग गुरु रामदेव के साथ भगदड़ से दो दिन पहले ही नृत्यासन जैसी मुद्रा में वायरल हो रही थी, भगदड़ के बाद भी कई वेबसाईट व अख़बारों ने उसी फ़ोटो को प्रकाशित किया गया है। दरअसल उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को इस भगदड़ को लेकर इसलिये भी आलोचना का शिकार होना पड़ रहा है क्योंकि सरकार इस पूरे महाकुंभ आयोजन को अपनी सरकार की सफलता के रूप में काफ़ी बढ़ा चढ़ाकर पेश कर रही थी। ज़ाहिर है जो सरकार अपनी सफलता के लिये अपनी पीठ स्वयं थपथपाने में माहिर हो कम से कम उसकी कमियों को उजागर करने का काम ईमानदार मीडिया व आलोचकों को तो करना ही चाहिये ? जबकि भगदड़ न तो कुंभ मेले में पहली बार हुई है न ही केवल कुंभ में ही भगदड़ होती है। और ऐसा भी नहीं है कि केवल भारत में ही भगदड़ होती हो। सऊदी अरब के मक्का में 1990 में हज यात्रा के दौरान एक बड़ी भगदड़ मचने से लगभग 1,400 लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा तब हुआ जब एक तंग मार्ग पर भीड़ जमा हो गई थी और लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे थे। इसी तरह सऊदी अरब में ही 2006 में हज के दौरान बड़ी भगदड़ में लगभग 360 हज यात्रियों की मौत हो गई थी। इसी तरह 2015 के हज में हुई बड़ी भगदड़ हज यात्रा के दौरान का अब तक का सबसे बड़ा हादसा था जिसमें लगभग 2,300 लोगों की जान चली गई थी। यह हादसा भीड़ की असंतुलित स्थिति के कारण हुआ था, जब हज यात्रियों का एक समूह शैतान पर पत्थर फेंकने के लिए इकट्ठा हो रहा था। इसी तरह कुंभ मेलों के दौरान भी भगदड़ मचने के पूर्व में इससे भी बड़े व भयानक हादसे हुए हैं। कई देशों में फ़ुटबाल मैच या अन्य खेल अथवा मनोरंजक आयोजनों के दौरान भगदड़ मचने की घटनायें हो चुकी हैं। दरअसल भीड़ को कम कर या उसे विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित कर ऐसे हादसों को टाला जा सकता है। परन्तु सरकार तो स्वयं भीड़ के आंकड़ों को बढ़ा चढ़ाकर पेश करती है। ऐसे में जो श्रद्धालु रोज़ाना करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम तट पर पहुँचने की ख़बर घर बैठे सुनता रहता है और मीडिया के माध्यम से वहां उपलब्ध %सुविधाओं % के सब्ज़ बाग़ देखता रहता है वह ज़रूर सोचता होगा कि कहीं वही इस पावन अवसर पर पुण्य कमाने से महरूम न रह जाये। और यह सोचकर आम भक्तजन तरह तरह की दुःख तकलीफ़ उठाते हुये भी चल पड़ते हैं। परन्तु जब वह ऐसे विशाल आयोजनों में पहुँचते हैं फिर उन्हें पता चलता है कि गोदी मीडिया द्वारा टी वी पर किया जाने वाला प्रचार या विज्ञापनों से पटे पड़े अख़बार केवल सरकार द्वारा प्रचारित उजले पक्ष को ही रखते हैं। और इसतरह का हादसा हो जाने के बाद केवल लाशों की संख्या छुपाने या कम बताने की बात तो पूर्व में भी होती ही रही है। परन्तु यह पहली बार सुनने में आ रहा है कि इस बार तो सरकार पूरी भगदड़ पर ही पर्दा डालने की कोशिश कर रहे है। अन्यथा क्या कारण है कि अलग अलग सूत्रों से प्राप्त होने वाली तीन अलग अलग भगदड़ की ख़बरों के बीच सरकार अभी तक यह क्यों नहीं बता पाई कि 28 जनवरी को प्रयागराज कुंभ में भगदड़ के हादसों की वास्तविक संख्या क्या थी। भगदड़ के अतिरिक्त आगज़नी की भी कई घटनायें इसी मेला क्षेत्र में हो चुकी हैं। कभी साधुओं व कल्पवासियों के टेंट जल गये तो कभी गीता प्रेस के 180 टेंट कॉटेज जलकर राख हो गये।

2 फरवरी, 1960 - स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और सुप्रसिद्ध साहित्यकार आचार्य चतुरसेन शास्त्री की पुण्यतिथि

उपन्यास और लेखन से स्वत्व जागरण अभियान चलाया

रमेश शर्मा

स्वाधीनता के लिये संघर्ष जितना महत्वपूर्ण है उतना ही महत्वपूर्ण है समाज में स्वत्व जागरण का अभियान। यदि स्वत्वबोध नहीं होगा तो स्वतंत्रता की चेतना कैसे जाग्रत होगी। अपने लेखन से स्वत्व चेतना का यही अभियान चलाया आचार्य चतुरसेन शास्त्री ने। उन्होंने अपना सार्वजनिक जीवन स्वतंत्रता संग्राम से आरंभ किया लेकिन शीघ्र ही आँदोलन से अलग होकर साहित्य से सामाजिक जागरण का अभियान चलाया।

उन्होंने अपने रचना संसार से भारतीय समाज को अपने अतीत की गरिमा एवं गल्तियों दोनों से अवगत कराया। उनकी भाषा बहुत रोचक और प्रवाहमयी थी। कथा कहानी, उपन्यास कविता और आलेख सभी विधाओं के सुप्रसिद्ध रचनाकार आचार्य चतुरसेन शास्त्री का जन्म 26 अगस्त 1891को उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर जिले के अंतर्गत ग्राम चांदोख में हुआ था। उनके पिता केवलराम ठाकुर अपने क्षेत्र के एक प्रभावशाली वैद्य थे और आर्यसमाज से जुड़े थे। माता नन्हींदेवी राजस्थान के थीं और भारतीय परंपराओं एवं स्वाभिमान के प्रति समर्पित थीं। जब आचार्य चतुरसेन जी का जन्म हुआ तो परिवार ने उनका नाम चतुर्भुज रखा। उनकी शिक्षा दीक्षा और आरंभिक जीवन इसी नाम से जाना गया। बालक चतुर्भुज की प्राथमिक शिक्षा पास के गाँव सिकन्दराबाद में हुई। आगे की शिक्षा के लिये जयपुर संस्कृत महाविद्यालय में प्रवेश लिया। 1915 में आयुर्वेदाचार्य एवं संस्कृत में शास्त्री की उपाधि प्राप्त की। वे बचपन से बहुत भावुक और विचारशील स्वभाव के थे। और इतने कल्पनाशील कि किसी घटना के एक दो वाक्य सुनकर पूरा दृश्यांकन कर दें। लेखन का शौक बचपन से था। छोटी छोटी कहानियाँ लिखा करते थे। शिक्षा पूरी करके दिल्ली आये। दिल्ली में आयुर्वेदिक चिकित्सालय आरंभ किया। संवेदनशील इतने थे कि गरीब और बेबश लोगो का इलाज निशुल्क किया करते थे इससे उनका चिकित्सालय न चल पाया। रोगी तो आते पर चिकित्सालय घाटे में रहा। लगातार घाटे के कारण चिकित्सालय बंद कर दिया। और पच्चीस रुपये के वेतन पर एक अन्य धर्मार्थ औषधालय में नौकरी कर ली। लगभग दो वर्ष के इस संघर्ष के बाद 1917 में, वे डीएवी कॉलेज, लाहौर में आयुर्वेद के प्रोफेसर बने। लेकिन यहाँ भी उनका तालमेल न बैठ सका और त्यागपत्र देकर राजस्थान के अजमेर आ गये। यहाँ उनके ससुरजी का औषधालय था। आचार्य चतुरसेन इसी औषधालय जुड़ गये। यहाँ उनके जीवन में स्थायित्व आया और लेखन कार्य को भी गति मिली। एक लेखक के रूप में उन्होंने अपना नाम चतुरसेन रखा। और वे इसी नाम से प्रसिद्ध हुये। उन्होंने साहित्य की प्रत्येक विधा में लेखन किया। उपन्यास, कहानी, गीत, संस्मरण, धार्मिक, ऐतिहासिक, सामाजिक जीवन, चिकित्सा, स्वास्थ्य और तिलस्मी आदि विषयों पर भी लिखा। उनके संपूर्ण लेखकीय जीवन में उनके द्वारा सृजित और प्रकाशित रचनाओं की संख्या 186 है। जबकि कुछ कहानियाँ और अन्य रचनाएँ प्रकाशित नहीं हो सकीं इन्हें मिलाकर कुल संख्या साढ़े चार सौ से अधिक है। कहानियों और उपन्यासों में उनकी रुचि ऐतिहासिक घटनाओं के प्रति अधिक रही। वे ऐतिहासिक घटनाओं के माध्यम से अतीत की विशेषताओं और वर्जनाओं दोनों के प्रति समाज को जाग्रत करना चाहते थे। उनकी भाषा शैली बहुत रोचक और जिज्ञासु थी। अपनी इसी विधा से वे अपने समय के सर्वाधिक लोकप्रिय उपन्यासकार माने गये।

स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी

दिल्ली और लाहौर में अपने आरंभिक जीवन में आचार्य चतुरसेन शास्त्री स्वाधीनता आँदोलन से जुड़े। 1920 के असहयोग आँदोलन से जुड़े पर दो घटनाओं से उद्वेलित हुये। उनकी दृष्टि में असहयोग आँदोलन में खिलाफत आँदोलन को जोड़ना उचित नहीं था। दूसरा मालाबार हिंसा पर गाँधी जी की भूमिका पर भी उनकी असहमति थी। इसलिये वे स्वतंत्रता संग्राम से दूर हुये और उन्होने गाँधीजी पर भूमिका पर व्यंग करते हुये लेखन आरंभ किया। साहित्य जगत में गाँधीजी पर यह पहली आलोचनात्मक रचना थी।

उनका रचना संसार

आचार्य चतुरसेन शास्त्री का पहला उपन्यास ÷हृदय की परख÷ 1918 में प्रकाशित हुआ। 1921 में सत्याग्रह और असहयोग विषय पर गांधीजी पर केन्द्रित आलोचनात्मक कृति आई, जो अपने समय की सर्वाधिक चर्चित रचना रही। उनके उपन्यासों की कुल संख्या बत्तीस है और लगभग सौ नाटक नाटक लिखे। उनके प्रमुख उपन्यासों में ÷वैशाली की नगरवधू÷, ÷सोमनाथ÷, ÷वयं रक्षामः÷, ÷सौना और खून÷, ÷आलमगीर÷ आदि अपने समय बहुत प्रसिद्ध रहे। उनकी रचनाओं में ग्रामीण, नगरीय, राजसी और सामान्य सभी प्रकार की जीवनशैली की झलक मिलती है। वे पुराण, इतिहास, संस्कृत, मानव साहित्य और स्वास्थ्य विषयक साहित्य पर बड़ी गम्भीरता और ईमानदारी से लिखते रहे। उनके चिकित्सा एवं आरोग्य शास्त्रों में नारी केन्द्रित अधिक रहे। इनमें महिलाओं की चिकित्सा, आहार और जीवन शैली से स्वस्थ्य रहना, मातृकला तथा अविवाहित युवक-युवतियों के लिए आरोग्य आदि विषयों पर भी उनके ग्रंथों की संख्या एक दर्जन से अधिक है। एक रचना ÷यादों की परछाई÷ को उन्होने एक ऐसी आत्मकथा के रूप में प्रस्तुत की जिसमें 'राम' के ईश्वरीय स्वरूप के बजाय एक पुरुषोत्तम स्वरूप पर केन्द्रित किया ताकि समाज में एक आदर्श जीवन कला विकसित हो। सोमनाथ', 'वयं रक्षाम⁼', 'वैशाली की नगरबधु', 'सह्याद्रि की चट्टानें', 'अपराजिता', 'केसरी सिंह की रिहाई', 'अमर सिंह', चार खंडों में %सोना और खून%, 'आलमगीर', 'धर्मपुत्र', 'खग्रास', 'मंदिर की नर्तकी', 'रक्त की प्यास', 'पत्थर युग के दो बुत', 'बगुला के पंख', 'हृदय की परख' आदि उनके महत्त्वपूर्ण उपन्यास हैं. हालांकि उनके उपन्यासों में जो शोहरत %वैशाली की नगरवधू%, %वयं रक्षामः% और %सोमनाथ% को मिली, वह अन्य को हासिल नहीं है. %वैशाली की नगरवधू% के बारे में उन्होंने खुद ही लिखा था, %मैं अब तक की अपनी सारी रचनाओं को रद्द करता हूं, और वैशाली की नगरवधू को अपनी एकमात्र रचना घोषित करता हूं.% यह कृति साल 1957 में पहली बार छपी। तबसे अब तक न जाने इसके कितने संस्करण छप चुके। यूँ तो उनकी प्रत्येक रचना में व्यापक संदेश फिर भी दो रचनाओं का प्रस्तुतिकरण बहुत अलग अंदाज में है। एक उपन्यास गोला गोली और दूसरा वयम् रक्षाम। कुछ रियासतों में ÷गोला- गोली÷ परंपरा थी। इस विसंगति पूर्ण प्रथा का चलन बढ़ गया था। राजमहलों में राजा महाराजाओं और उनकी दासियों के बीच चलने वाली इस विसंगति परंपरा पर उन्होने उपन्यास लिखा और देश के गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल को समर्पित किया था। आचार्य चतुरसेन शास्त्री ने इसके माध्यम से दास दासियों के प्रति मानवीय संवेदना और सम्मान को झकझौरा उससे चेतना आई और यह प्रथा को समाप्त होने का वातावरण बना। दूसरा ÷वयम् रक्षाम÷ उपन्यास रावण पर केन्द्रित है। किस प्रकार अधिकार भाव एक व्यक्ति को अहंकारी बनाता है उससे मानवीय मूल्यों के दमन की तस्वीर इस रचना में है। आचार्य जी का बचपन आर्यसमाजी वातावरण में बीता था। यह वैचारिक प्रभाव उनके जीवन भर रहा। जो उनकी रचनाओं में भी झलकता है। दिल्ली में बसने की इच्छा बचपन से थी और दिल्ली की अनाज मंडी शाहदरा में उन्होंने एक घर बनाया जो घर दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी बोर्ड को दान कर दिया था, जिसमें आजकल विशाल लाइब्रेरी है। पूरा जीवन समाज और साहित्य को समर्पित करने वाले आचार्य चतुरसेन शास्त्री ने 2 फरवरी 1960 को जीवन से विदा ली। उन्होंने अपने शरीर से संसार छोड़ा पर उनकी रचनाएँ आज भी समाज के सामने है।

बजट में व्यावहारिकता के साथ ही सीमाओं पर रखा गया ध्यान

आकाश प्रकाश

बजट की सराहना अवश्य करनी होगी क्योंकि इसमें व्यावहारिकता झलकती है और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने जो चुनौतियां हैं, उन्हें देखते हुए यह शानदार बजट है। पिछले सात वर्षों में सरकार ने बहुत सोच-समझ कर सार्वजनिक खर्च बढ़ाया है और इसे वित्त वर्ष 2018 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1.5 प्रतिशत से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी का 3.2 फीसदी (बजट अनुमान) कर दिया गया है। पूर्ण राशि वित्त वर्ष 2019 के 3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये के बजट आंकड़े पर पहुंच गई।

इस पूंजीगत व्यय का सबसे बड़ा लाभ सड़कों और रेलवे में बढ़े हुए खर्च के तौर पर दिखा और यही आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने वाले चालक थे। केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में 25 फीसदी वृद्धि के दिन अब लद गए हैं और यह आंशिक रूप से राजकोषीय बाधाओं की वजह से है लेकिन इससे भी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अब सड़कों और रेलवे की इस्तेमाल करने की क्षमता में भी कमी आई है। वे निश्चित रूप से अधिक खर्च नहीं कर सकते हैं और अब ऐसा कोई क्षेत्र भी नहीं दिखता है जो इस कमी को पूरा कर सके।

यह वित्त वर्ष 2025 में सरकार की पूंजीगत खर्च के लक्ष्यों को हासिल करने की असमर्थता में भी साफ दिखता है जो लगभग 1,00,000 करोड़ रुपये की कमी है। इसकी पुष्टि वित्त वर्ष 2026 में रेलवे के लिए 2,52,000 करोड़ रुपये और सड़कों के लिए 2,87,000 करोड़ रुपये के पूंजी आवंटन से होती है जो मूलतः वित्त वर्ष 2025 के लगभग समान है। केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र, रक्षा क्षेत्र से जुड़े पूंजी उपकरण हैं जो 1,60,000 से 1,80,000 करोड़ रुपये के बीच हैं। एक बार फिर इसकी जटिल प्रक्रिया और पूंजी की कमी को देखते हुए यह आंकड़े नाटकीय रूप से नहीं बढ़ सकते हैं।

केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय बढ़ाने की सीमित गुंजाइश देखते हुए सोचने का विषय यह है कि आखिर वित्त मंत्री अर्थव्यवस्था की रफ्तार कैसे बढ़ाएंगी? इसके लिए सबसे पहले निजी पूंजीगत खर्च को बढ़ावा देने और फिर खपत पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देना होगा। साथ ही दरों में कमी के साथ अर्थव्यवस्था में मांग की रफ्तार बढ़ाने और व्यापार सुगमता में सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने बजट में इन तीन मुद्दों पर ध्यान देने की कोशिश की है। वित्त मंत्री ने 4.4 फीसदी के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को बरकरार रखकर राजकोषीय मोर्चे पर रूढ़िवादी रवैया अपनाया है और साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दरें कम करने की गुंजाइश दी है।

हम उन चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं जिनके पास विश्वसनीय तरीके से राजकोषीय घाटे को कम करने की एक योजना है। सकल बाजार उधारियों में भी केवल 5.85 फीसदी की बढ़ोतरी है और यह 14.82 लाख करोड़ रुपये है। विदेशी मुद्रा भंडार की अनिश्चितता कम होने से दरें भी अनुकूल होनी चाहिए। वित्त मंत्री ने मध्य वर्ग को 1,00,000 करोड़ रुपये की प्रभावी कर कटौती की सौगात दी है जिससे उपभोक्ताओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा और इससे खपत में बढ़ोतरी होगी। कर कटौती से उन उपभोग वाले क्षेत्रों को मदद मिलेगी जो चुनौतियों से जूझ रहे हैं और मांग बढ़ने के साथ ही कंपनियों को अपनी क्षमता बढ़ाने का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

वित्त मंत्री ने कारोबार सुगमता में सुधार के बारे में भी काफी कुछ कहा है। अनुपालन तथा नियमन आदि के पहलुओं को देखने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाने, कानूनों की सख्ती कम करने और कराधान के सरलीकरण के निरंतन प्रयासों के साथ ही कॉरपोरेट जगत के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद मिलेगी। निजी पूंजीगत व्यय का भी प्रभाव दिखेगा। कर कटौती का लाभ स्पष्ट रूप से खपत में मिलेगा। सरकारी पूंजीगत व्यय के लिए सीमित गुंजाइश देखते हुए वित्त मंत्री ने वृद्धि के वैकल्पिक कारकों यानी पूंजीगत व्यय और खपत बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। बजट का व्यापक गणित ठीक लगता है।

नॉमिनल जीडीपी के 10.1 फीसदी का अनुमान भी उचित है। केवल आयकर के लिए राजस्व धारणा आक्रामक दिख रही है, यानी 1 लाख करोड़ रुपये की कटौती के बाद, हम कर संग्रह में 22.35 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। कॉरपोरेट कर में 10.4 फीसदी वृद्धि और 47,000 करोड़ रुपये का विनिवेश लक्ष्य दोनों उचित लगता है।कुल व्यय, वित्त वर्ष 2026 में 7.44 फीसदी बढ़ रहा है जिसमें केवल राजस्व व्यय 6.65 फीसदी बढ़ रहा है। अगर हम ब्याज भुगतान में वृद्धि को हटा दें, तब राजस्व व्यय केवल 3 फीसदी बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2026 में लगभग 3,50,000 करोड़ रुपये का क्रमिक व्यय पूरी तरह से बढ़े ब्याज भुगतान (1,38,000 करोड़ रुपये), पूंजीगत परिसंपत्तियों के लिए सहायता अनुदान में वृद्धि (1,27,000 करोड़ रुपये) और 1,02,000 करोड़ रुपये के उच्च पूंजीगत व्यय के मद में गया है। यह एक बेहतर मिश्रण है खासतौर पर यह देखते हुए कि ब्याज भुगतान गैर-विवेकाधीन है।

सब्सिडी भी 3,83,000 करोड़ रुपये के स्तर पर रखी गई है और वित्त वर्ष 2025 के वास्तविक आंकड़े में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। मनरेगा के मद में भी सपाट तौर पर 86,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं। हमने जल जीवन मिशन के आवंटन में बढ़ोतरी देखी है जिसके लिए वित्त वर्ष 2025 में 22,700 करोड़ रुपये दिए गए थे लेकिन वित्त वर्ष 2026 में इस योजना पर 67,000 करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य है। पीएमएवाई योजनाओं, ग्रामीण और शहरी दोनों में 50 फीसदी से अधिक की अच्छी वृद्धि देखी गई है।इसके अलावा शोध एवं विकास (आरऐंडडी) मिशन के लिए 20,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है और नए रोजगार सृजन कार्यक्रमों पर खर्च में वृद्धि 6800 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये तक कर दी गई है। राजस्व व्यय पर नियंत्रण के साथ, घाटे की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है, राजस्व घाटे में 86,000 करोड़ रुपये की कमी आई है यानी यह जीडीपी के 1.9 फीसदी से घटकर 1.5 फीसदी हो गया है।

संरचनात्मक सुधारों की बात करें तब बीमा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा 100 फीसदी तक बढ़ाना उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितना कि परमाणु क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अधिक संभावनाएं और परमाणु क्षति अधिनियम के लिए नागरिक दायित्व पर पुनर्विचार करना है जिसके चलते निवेश रोका गया था। शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए एक लाख करोड़ रुपये का शहरी चुनौती कोष और राज्यों को बिजली वितरण सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना स्वागत योग्य है।

इसके अलावा खिलौने, खाद्य प्रसंस्करण और फुटवियर जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों के लिए लक्षित उपाय लंबे समय से लंबित थे। आईआईटी और मेडिकल कॉलेजों की क्षमता का विस्तार करना आसान है और हमारी बढ़ती आबादी के प्रबंधन के लिहाज से भी यह बेहद जरूरी है। बजट में पर्यटन पर ध्यान देना भी समझदारी भरा कदम है और इससे संकेत मिलते हैं कि अर्ध-कुशल रोजगार के मौके तैयार करने पर ध्यान है। इंडिया पोस्ट पर टिप्पणी करना और इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए मुख्य स्रोत बनाना संभवतः एक बड़ा सुधार है जो क्रियान्वयन पर निर्भर करता है। उच्च पैदावार वाले बीजों और कपास उत्पादकता से जुड़े अभियान भी लंबे समय से लंबित है।

अंशकालिक कामगारों (गिग वर्कर) वाली अर्थव्यवस्था को सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रमों के दायरे से जोड़ना और उन्हें औपचारिक रूप से पंजीकृत करते हुए 10 लाख से अधिक श्रमिकों को कुछ सुरक्षा देना महत्त्वपूर्ण है। केंद्रीय केवाईसी रजिस्ट्री में भी नए बदलाव किए गए हैं और इससे वित्तीय क्षेत्र के लिए व्यापार सुगमता में सुधार होना चाहिए। सुरक्षित बंदरगाह नियमों के दायरे का विस्तार करने और अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए पूर्वनिर्धारित कीमतों से अंतरराष्ट्रीय कराधान की निश्चितता बढ़ेगी और विवादास्पद कानूनी मामले भी कम होंगे। टीडीएस/टीसीएस नियमों को युक्तिसंगत बनाने का प्रयास भी गंभीर लग रहा है।

कुल मिलाकर इसे एक अच्छा बजट कह सकते हैं। वित्त मंत्री ने अपनी पूरी कुशलता दिखाने की कोशिश की है। उन्होंने सरकार के पूंजीगत व्यय के परे वृद्धि के अन्य चालकों को प्रोत्साहित करने के लिए वह सब किया जो वह कर सकती थीं, और उन्होंने राजकोषीय घाटे को लेकर जिम्मेदारी भी बरती है। बजट के बड़े आलोचकों को भी संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त संरचनात्मक सुधार और व्यापार सुगमता बढ़ाने के उपायों का जिक्र है। इसमें कुछ भी बुरा नहीं है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसा बजट है जो इस वक्त की जरूरतों को पूरा करता हुआ प्रतीत हो रहा है। भारत के वृद्धि के दृष्टिकोण को लेकर अधिक आत्मविश्वास होना जरूरी है।

मध्य वर्ग का बजट, विकास की रफ्तार बढ़ाने का दांव

वित्त वर्ष 2025-26 का बजट ऐसे समय में पेश किया गया है जब व्यापक आर्थिक हालात अनिश्चितता की गिरफ्त में हैं। हाल की तिमाहियों में देश की आर्थिक वृद्धि काफी सुस्त पड़ गई है। वैश्विक व्यापार की भविष्य की रूपरेखा भी अनिश्चित लग रही है। कोविड महामारी के दीर्घकालिक असर अब आर्थिक गतिविधियों पर नहीं दिख रहे हैं मगर भारत में सार्वजनिक ऋृण के शीर्ष स्तरों पर यह अब भी देखा जा रहा है।

वर्तमान में इन सभी अनिश्चितताओं के साथ एक साथ नहीं जूझा जा सकता। इसे समझते हुए सरकार ने अर्थव्यवस्था में आई सुस्ती के कारणों को समझने एवं उन्हें दूर करने पर अपनी ताकत लगा दी है। उपभोग या खपत में कमी पर हाल में काफी चर्चा हुई है और इसे ही कमजोर वृद्धि दर के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है। बजट में आयकर में राहत देकर और शहरी दिक्कतों पर ध्यान देकर इस विकराल समस्या को दूर करने का प्रयास किया गया है।

अगर सब कुछ ठीक रहा तो कर ढांचे में बदलाव (एक लाख रुपये महीना कमाने वाले लोगों को अब आय कर नहीं देना होगा) से मध्य वर्ग की जेब में ठीक-ठाक रकम आ जाएगी। अधिक रकम बचने से लोगों का झुकाव खर्च करने की तरफ बढ़ेगा जिसे देखते हुए निजी क्षेत्र भी निवेश करने के लिए उत्साहित हो जाएगा। हमें यह समझना चाहिए कि आर्थिक वृद्धि तेज करने का यह उपाय उन तरीकों से अलग है जिनका इस्तेमाल सरकार कोविड महामारी के बाद करती आ रही थी। हाल के वर्षों में बजट में सार्वजनिक क्षेत्र में पूंजीगत व्यय में काफी इजाफा हुआ है। हालांकि, सार्वजनिक व्यय पूर्व के स्तरों पर ही है मगर ऐसा लग रहा है कि वित्त मंत्रालय मानता है कि घरेलू मांग बढ़ाने के सीधे उपाय किए बिना काम नहीं चलेगा और वृद्धि दर में कमी का सिलसिला नहीं थमेगा।

सरकारी खजाने से जुड़े व्यापक आंकड़ों की हालत इतनी खराब नहीं है जितनी कंपनी के वित्तीय नतीजों की। इसके बावजूद सरकार ने बजट में मध्य वर्ग को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। व्यक्तिगत आयकर प्राप्तियों में लगातार बढ़ोतरी दिख रही है और कर रियायत के रूप में 1 लाख करोड़ रुपये की छूट दिए जाने के बावजूद इसमें आने वाले साल में 14 प्रतिशत का इजाफा होने की उम्मीद है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024-25 में वास्तविक अर्थ में निजी अंतिम उपभोग व्यय में 7.3 प्रतिशत का इजाफा होगा जबकि इसकी तुलना में पिछले वित्त वर्ष में इसमें 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।बजट में दिया गया बड़ा संदेश यह है कि उपभोग बढ़ने के साथ ही आर्थिक वृद्धि पटरी पर आ जाएगी। हाल के वर्षों में व्यक्तिगत आय करों में शानदार बढ़ोतरी को देखते हुए ही वित्त मंत्रालय ने संभवतः मध्य वर्ग को कर में बड़ी रियायत देने की घोषणा की है। राजकोषीय स्थिति संभालने के मोर्चे पर सरकार ने दो महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सबसे पहले तो सरकार ने राजस्व व्यय पर अंकुश लगाकर व्यय की गुणवत्ता में सुधार किया है। दूसरी अहम बात यह है कि सरकार ने राजकोषीय स्थिति पर अधिक पारदर्शिता और इसे मजबूत करने की अपनी इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। ये दोनों ही बातें बजट में दिख रही हैं।

बस व्यक्तिगत आयकर की भविष्य की दिशा को लेकर थोड़ा अंतर जरूर आया है क्योंकि बजट में प्रस्तावित कर राहत लागू करने से सरकार का गुणा-भाग जरूर बदलेगा। पिछले साल राजस्व व्यय में कमी की गई थी और इसे अंजाम देने के लिए सरकार ने आवास सब्सिडी और जल जीवन जल कार्यक्रम पर व्यय घटा दिया था। इसके अलावा जुलाई 2024 के बजट में पूंजीगत व्यय के कुछ मदों में भी आवंटन काफी कम किए गए थे।

बजट में चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 4.8 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष इसे 4.4 प्रतिशत तक सीमित रखने के अनुमान व्यक्त किए गए हैं। सरकार के पिछले प्रदर्शन को देखते हुए इन अनुमानों की सराहना की जानी चाहिए। हालांकि, राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का दीर्घकालिक रास्ता थोड़ा अस्पष्ट लग रहा है। बजट में इस बात का जिक्र करना जरूरी है कि सरकार भविष्य में राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य कैसे हासिल कर पाएगी।

इस बजट से जुड़ी राजनीति में भी पारदर्शिता दिखी जो असामान्य उपलब्धि मानी जा सकती है। सरकार ने कुछ राज्यों के लिए विशेष घोषणाएं तो की हैं मगर उनसे सरकारी खजाने पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिलाकर, यह बजट मध्य वर्ग के नाम रहा है और पूंजीगत व्यय जैसी चिंताओं को अधिक तवज्जो नहीं दी गई है। प्रत्यक्ष करों के तर्कसंगत बनाने के साथ कर सुधार की उम्मीद लंबे समय से की जा रही है। अगर 2025 में आर्थिक वृद्धि पटरी पर लौट आई तो फिर इससे अच्छी बात क्या होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का भव्य स्वागत हुआ

जबलपुर ।मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी के नगरागमन पर अन्धमूक चौराहे पर राज्यसभा सदस्य विवेक तंखा मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष लखन घनघोरिया पूर्व कैबिनेट कैबिनेट मंत्री तरुण भनोट पूर्व वित्त मंत्री जबलपुर संगठन प्रभारी विधायक रजनीश सिंह सह प्रभारी लक्ष्मण सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) टीकाराम कोष्टा अमरीश मिश्रा प्रदेश कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी राजेश पटेल सुमन जैन दलवीर जैसल हमीद खान आदि ने पुष्पहारो से स्वागत किया ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने नई दिल्ली में की सौजन्य भेंट जापान यात्रा की सफलता पर दी शुभकामनाएं

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज जापान से लौटने पर नई दिल्ली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जापान दौरे की सफलता पर शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह यात्रा प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में आर्थिक विकास के नये अवसरों का सृजन हो रहा है। राज्य सरकार निवेशकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और उद्योग के अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा रही है।

भारतीय व्यापार मंडल भोपाल जिले की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह होटल राजहंस में संपन्न हुआ

भोपाल भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामगोपाल गुप्ता जी के मुख्य अतिथि में भारतीय व्यापार मंडल मध्य प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक एवं भारतीय व्यापार मंडल भोपाल जिले की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह होटल राजहंस में संपन्न हुआ तथा सेवा भारती संकल्प परिसर में भारतीय मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामगोपाल गुप्ता ,प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष योगेश गुप्ता ,प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश साहू ,प्रदेश प्रवक्ता आनंद सोनी , सुनील गुप्ता प्रदेश संगठन मंत्री,मीडिया प्रमुख वीरेंद्र चौकसे , अजय खंडेलवाल सी ए, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता साथ ही भारतीय व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों तथा व्यापारियों की गरिमामय उपस्थिति में वृद्ध आश्रम में वृद्धो को भोजन एवं फल वितरण किया पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आम एवं नीम के पौधे लगाए गए ।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ की तहसील एवं ब्लॉक कार्यकारिणी भंग

सांध्य प्रकाश, विदिशा। जिले में क्रियाशील मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की सभी तहसील एवं ब्लॉक कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण होने पर भंग कर दिया गया है। फरवरी माह में नवीन कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष परसराम दुबे ने बताया कि चित्रकूट बैठक में दिए गए सदस्यता के लक्ष्य को पूरा करने के बाद सभी तहसील ब्लॉक कार्यकारिणी की द्विवार्षिक कार्यावधि पूर्ण होने पर भंग कर दिया गया है। नवीन निर्वाचन हेतु राजेश चौबे एवं रश्मि सलवार तहसील एवं ब्लॉक विदिशा, शंभू दयाल विश्वकर्मा तहसील एवं ब्लॉक बासौदा, महेंद्र सिंह रघुवंशी तहसील त्योंदा, रश्मिकांत श्रीवास्तव तहसील एवं ब्लॉक कुरुबाई, दिनेश चिढ़ार तहसील पठारी, महेश सेन तहसील एवं ब्लॉक सिरोंज, वीरेन्द्र यादव तहसील एवं ब्लॉक लटेरी, रघुवीर सिंह बघेल कागपुर एवं अंजली तेनगुरिया ब्लॉक एवं तहसील नटेरन, भारत सिंह यादव तहसील शमशाबाद, दीवान सिंह किरार ब्लॉक एवं तहसील ग्यारसपुर, महेंद्र तिवारी गुलाबगंज निर्वाचन अधिकारी बनाए गए हैं। कुंभ मेले के मद्देनजर निर्वाचन अधिकारी अपनी अनुकूलता के अनुसार तिथि तय कर निर्वाचन करा सकेंगे। संघ ने सभी निवर्तमान कार्यकारिणी से निर्वाचन अधिकारियों के निष्पक्ष सहयोग की अपील की है।

पुलिस ने 310 मोबाईल खोजकर लौटाए

सांध्य प्रकाश, विदिशा। शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस द्वारा जिलेभर के 310 लोगों को उनके गुम हुए मोबाइल वापिस किए। इस दौरान एसपी रोहित काशवानी ने जब लोगों को उनके गुम हुए मोबाइल उनके हाथों में थमाए तो लोगों के चेहरे पर मुस्कान देखने लायक थी। बताया गया कि पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन में सायबर सेल प्रभारी गौरव रघुवंशी एवं समस्त थाना प्रभारीगणों के नेतृत्व में गुम मोबाईल खोजने का विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 310 मोबाईल खोजे गये। खोजे गये 310 मोबाईलों की कुल कीमत 62 लाख रूपये के लगभग है। इन मोबाईलों को बरामद कराने में सहयोग करने वालों को पुलिस अधीक्षक द्वारा नगद पुरस्कार से पुरुस्कृत किया जाएगा।

आबकारी वृत्त ओबेदुल्लागंज, रायसेन, बेगमगंज, बरेली की अवैध शराब के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाही

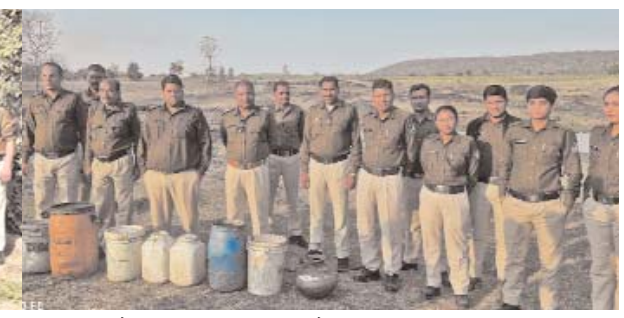

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- शनिवार को कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशन मैं वंदना पाण्डेय सहायक आयुक्त आबकारी के आदेश से कंट्रोलर सुदीप तोमर के नेतृत्व मे आबकारी वृत्त ओबेदुल्लागंज, रायसेन ,बेगमगंज, बरेली व्रत की संयुक्त टीम का गठन किया गया जिसके द्वारा गौहरगंज तहसील अंतर्गत ग्राम सोन्थर सोसाइटी,पड़ाव,कामतोंन कसिया, बिनेका बोरपनी, चिकलोद कला पर दबिश दी गयी जिसमे 14प्रकरण दर्ज हुए 8 लोगो को मोके पर गिरफ्तार किया गया कार्यवाही मे 150 लीटर अवैध हाथभट्टी शराब 58 पाव प्लेन मदिरा, 11 बोतल बियर,45पाव अंग्रेजी मदिरा जब्त की गई एवं लगभग 2200 द्यद् महुआ लहान सैंपल लेकर मौके पर नष्ट किया गया जिसका मूल्य 280458 रुपये है,कार्यवाही मैं आबकारी उपनिरीक्षक गौरव भद्रसेन , विवेक सक्सेना , मुकेश श्रीवास्तव शामिल रहे , कार्यवाही से शराब का अवैध व्यवसाय करने वालो मैं हड़कंप है पूर्व मे भी आबकारी विभाग की कार्यवाही मैं सेमरी पंप हाउस,तामोट, सररई, सिन्धी केम्प, अर्जुन नगर ,मंडीदीप नया पुरा दिवतिया जैसे कच्ची शराब के विक्रय स्थलों पर बड़ी कार्यवाही की गई थी जिसमे कई सौ लीटर अवैध शराब एवं हजारो किलो महुआ लहान जब्त किया गया था इस प्रकार की बड़ी कार्यवाही से अवैध शराब के निर्माण विक्रय संग्रहण एवं परिवहन मैं कमी आएगी

सहायक आयुक्त आबकारी वंदना पाण्डेय द्वारा बताया गया कि अवैध मदिरा के विरुद्ध ऐसी कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी

कपड़ा व्यापारी ने की विवाहिता से छेड़छाड़ मामला दर्ज

आष्टा। शहर के बुधवारा निवासी एक कपड़े के व्यापारी पर महिला ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया है पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर छेड़छाड़ सहित अभ्रक्तता का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। आष्टा पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय विवाहित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह घरों में साफ सफाई का काम करने का कार्य करती है शुक्रवार दोपहर में जब में काम कर रही थी तभी कपड़ा व्यापारी मेरे घर में आकर छेड़छाड़ की चिल्ला चोट की तो वहां मौके से भाग गया महिला ने यहां बात अपने पति को बताएं और कपड़ा व्यापारी की दुकान पर पहुंची जमकर हंगामा किया आष्टा थाना प्रभारी की गिरीश दुबे ने बताया कि महिला की रिपोर्ट पर जांच पड़ताल के बाद प्रकरण दर्ज किया गया है।

किसान हितैषी और गांवों के विकास व समृद्धि का बजट- भारतीय किसान संघ

बैरसिया। । भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2025 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि सरकार ने देश के सभी राज्यों के किसानों का बजट में ध्यान रखा है। पहली बार बजट की शुरुआत कृषि व किसान से हुई है। चूंकि कृषि से जुड़ी बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। उस दृष्टि से बजट में गांवों व कृषि को प्राथमिकता में रखने पर हम देश की वित्त मंत्री को धन्यवाद देते हैं। भारतीय किसान संघ ने किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने की मांग की थी जिसे बजट में 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख किया गया है। इससे देश के सभी किसानों को लाभ होगा और निश्चित तौर पर खाद्यान्न उत्पादकता में वृद्धि दर्ज होगी।

मिश्र ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के माध्यम से सरकार देश के कम उत्पादकता वाले 100 जिलों के लिए विकासशील जिला कार्यक्रम के तहत कार्य करने वाली है जिससे इन कमजोर जिलों में कृषि रोजगार के अवसरों में वृद्धि से करोड़ों किसानों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही श्री मिश्र ने बताया कि हल्दी बोर्ड के गठन के बाद सरकार ने फसल विविधता को बढ़ावा देने बजट में मखाना बोर्ड बनाकर मखाने का उत्पादन, मार्केटिंग, प्रोसेसिंग व ब्रांडिंग कर किसानों को लाभ दिलाने की बात कही है। पूर्वोत्तर राज्यों में खाद की कमी को दूर करने सरकार असम में नया यूरिया प्लांट लगाने जा रही है जो स्वागत योग्य कदम है।

डेयरी व मछली उत्पादक किसानों के विकास के लिए ऋण योजना, दलहन व कपड़ा में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दलहन मिशन और वीटी कपास के कारण उत्पादकता में कमी व अनिश्चितता को देखते हुए सरकार ने नॉन जीएम कपास फसल के उत्पादन को बढ़ाने कपास मिशन बनाने का ऐलान बजट में किया है। फल सब्जियों व श्रीअन्न के उत्पादन व लाभकारी मूल्य के लिए राज्यों के सहयोग से व्यापक कार्यक्रम चलाने की बात बजट में शामिल है। गांवों के विकास व किसान हितैषी केंद्रीय बजट का भारतीय किसान संघ स्वागत करता है।

इसके साथ ही महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि बजट पूर्व चर्चा में किसानों की प्रमुख मांग किसान सम्मान निधि बढ़ाने, कृषि आदान सामग्री पर जीएसटी खत्म करने और जैविक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की मांग बजट में की थी। जिसके पूर्ण न होने से किसानों को निराशा हुई है।

कलेक्टर ने खसरा लिकिंग में लापरवाही पर छतरपुर नगर एवं ग्रामीण के 6 पटवारियों की वेतन वृद्धि रोकने के दिए निर्देश

छतरपुर। शुक्रवार को कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में एडीएम मिलिंद नागदेवे, सहायक कलेक्टर काजोल सिंह, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी, सभी अनुभागों के एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री जैसवाल ने राजस्व अभियान में आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग की समीक्षा करते हुए छतरपुर नगर की खराब प्रगति होने पर नाराजगी व्यक्त की और बॉटम में रहने वाले 5 पटवारियों की 1-1 वेतन वृद्धि रोकने एवं छतरपुर ग्रामीण के भी 1 पटवारी की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिए जिनका सोमवार तक प्रस्ताव भेजने हेतु निर्देशित किया। एवं छतरपुर ग्रामीण की भी खसरा लिंकिंग में प्रगति खराब होने पर तहसीलदार को पटवारी की 1 वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिए। साथ ही खसरा लिकिंग में लवकुशनगर की प्रगति खराब होने पर तहसीलदार को प्रगति सुधारने के लिए कहा और आगामी बैठक तक सुधार नहीं होने पर वेतन वृद्धि रोकने का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

कलेक्टर श्री जैसवाल ने फार्मर रजिस्ट्री अंतर्गत फार्मर आईडी रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए खराब प्रगति पर छतरपुर ग्रामीण, छतरपुर नगर एवं लवकुशनगर तहसीलदार को शोकोज जारी करने के निर्देश दिए एवं बिजावर तहसीलदार को जिन जिन ग्राम में खराब प्रगति है उनकी सूची निकालकर प्रगति बढ़ाने के लिए कहा। राजस्व महा अभियान 3.0 अंतर्गत भूलेख पोर्टल की नक्शा तरमीम की समीक्षा करते हुए। घुवारा नायब तहसीलदार को खराब प्रगति वाले गांव की लिस्ट निकालकर तरमीम कराने के निर्देश दिए।

गुम बच्चों-लोगों के लिए चलाया विशेष अभियान, 322 की हुई बरामदगी

सीहोर। जिलेभर से गुम हो रहे बच्चों, महिलाओं, पुरूषों को खोजने के लिए सीहोर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सीहोर जिलेभर की पुलिस ने जनवरी माह में ही रिकार्ड 322 लोगों को खोजने में सफलता प्राप्त की है। इस दौरान जहां 250 महिलाओं, बालिकाओं को खोजा गया तो वहीं 72 पुरूष एवं बालकों को भी ढूंढा गया। हालांकि अब भी सीहोर जिले से 1489 लोग लापता हैं, जिन्हें भी खोजने के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अब इन लोगों को भी खोजने के लिए सीहोर जिले में आगामी दिनों में विशेष अभियान चलाया जाएगा। गुम लोगों को खोजकर सीहोर पुलिस ने 21.63 प्रतिशत इन मामलों का निराकरण कर दिया है।

सीहोर जिलेभर से गुम हो रहे लोगों को खोजने के लिए पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश, एएसपी गीतेश गर्ग एवं अनुविभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन व थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीम जुटी हुई है। इसी का परिणाम है कि सीहोर जिलेभर की पुलिस ने एक माह में ही रिकार्ड 322 गुम बच्चों, महिलाओं, पुरूषों को खोजने में सफलता प्राप्त की है। इसके लिए पुलिस टीम ने लगातार कई स्थानों पर दबिश दी एवं गुम हुए लोगों

को खोज निकाला। ये सभी मामलों 3 से 5 वर्ष पुराने हैं। पुलिस ने गुम हुए लोगों को जब परिवारों के सुपुर्द किया तो उनकी खुशी का ठिकाना भी नहीं रहा।

इन थानों में हुई इतनी बरामदगी-

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत चलाए गए विशेष अभियान में सबसे ज्यादा लंबित प्रकरणों का निराकरण करते हुए मंडी पुलिस अनुभाग द्वारा 40, आष्टा पुलिस अनुभाग द्वारा 41, भैरूंदा पुलिस अनुभाग द्वारा 43, इछावर पुलिस अनुभाग द्वारा 39 और बुधनी पुलिस अनुभाग द्वारा 37 गुम इंसानों को तलाश किया गया। विशेष अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुलिस अधीक्षक द्वारा उचित पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

अब भी 1489 लापता -

सीहोर जिले से लापता लोगों को खोजने के लिए पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जहां जनवरी माह में रिकार्ड 322 लोगों को खोजा गया है तो वहीं अब भी सीहोर जिलेभर से 1489 लोग लापता हैं। पुलिस द्वारा इन्हें भी ढूंढा जा रहा है।

लगातार चलेगा अभियान -

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने बताया कि सीहोर जिले में गुम हुए लोगों को खोजने के लिए लगातार अभियान जारी रहेगा। जनवरी माह में ही 322 गुम इंसानों को खोजा गया है। इनमें सबसे ज्यादा 250 महिलाएं, बालिकाएं हैं। इनके साथ ही 72 बालक एवं पुरूषों को भी खोजकर उनके परिवारों के सुपुर्द किया गया है। हमारा यह अभियान लगातार जारी रहेगा। आगामी दिनों में भी इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा, ताकि गुम हुए लोगों को खोजकर उनके परिवारों के सुपुर्द किया जाए।

असेंबली ऑफ एमपी जर्नलिस्ट्स के प्रदेश अध्यक्ष राधावल्लभ शारदा का 82 वा जन्मदिवस मरीजों को फल वितरित कर मनाया

सिरोंज असेंबली ऑफ एमपी जर्नलिस्ट्स के प्रदेश अध्यक्ष राजा वल्लभ शारदा का 82 वा जन्मदिवस सिरोंज इकाई द्वारा शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय पहुंचकर मरीजों को फल वितरण कर मनाया गया। असेंबली ऑफ एमपी जर्नलिस्ट्स के वरिष्ठ पदाधिकारी अजमल शेर खान ने बताया कि हमारे द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रदेश अध्यक्ष राधावल्लभ शारदा का जन्मदिन मरीजों को फल वितरित कर मनाया गया। वही वरिष्ठ सदस्य जावेद साहिल ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष राधा वल्लभ शारदा हमेशा पत्रकारों की समस्याओं को लेकर पत्रकार साथियों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े नज़र आते हैं और पत्रकारों की समस्याओं को शासन प्रशासन तक पहुंचा कर उन्हें पूरा कराने का हर संभव प्रयास करते हैं और समय-समय पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम कराकर पत्रकार साथियों को सम्मानित भी किया जाता है। जन्मदिन कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार वसीम अख्तर, नसीम गोरी, विनोद सेन, वाजिद कुरैशी, सुब्हान गोरी, राजा खान गोरी, शेखू खान, वाहिद गोरी,

आष्टा रेलवे लाईन के लिए 2025 के केन्द्रीय बजट में कोई आवंटन नही होना निराशाजनकः कैलाश परमार

आष्टा। केन्द्रीय बजट में देवास संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आष्टा विधान सभा क्षेत्र में रेलवे लाइन की बहुप्रतीक्षित मांग को लेकर कोई प्रावधान नही किया गया है। इससे क्षेत्र की जनता एक बार फिर खुद को ठगा सा महसूस कर रही है। क्षेत्रीय सांसद से ले कर भाजपा के नेता इस मुद्दे को भुनाते जरूर है लेकिन उस पर कोई अमल नही करते यह मुद्दा सीधे सीधे क्षेत्रीय सासंद की योग्यता और उनकी इच्छाशक्ति पर भी सवाल खड़ा करता है आष्टा में रेलवे सिर्फ भावनात्मक मुद्दा नही है बल्कि यह इस उपजाऊ क्षेत्र के औद्योगिक विकास के लिए बहुत जरूरी हैं। पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने बजट में आष्टा क्षेत्र के लिए हुई नाइंसाफी को चिन्हित करते हुए क्षेत्रीय सांसद और केन्द्र सरकार की नीयत पर सवाल खड़े किए है। वर्तमान सत्ता तंत्र के लिए यह मुद्दा क्षेत्र की जनता के भावनात्मक शोषण का जरिया मात्र बन कर रह गया है। घोषणा करो और बदले में वोट पाओ यह सिलसिला पिछले 40 वर्षों से लगातार चला आ रहा है। हर बजट में अपनी उम्मीदों पर होते तुषारापात के मद्देनजर यह सवाल भी खड़े होने लगे हैं कि सांसद महोदय क्षेत्र की आवाज संसद में उठाते भी हैं या नही? रेलवे की वर्षों पुरानी मांग भी आष्टा वासियों यूँ ही नही करते हैं। सबसे पहले इस इलाके की सांसद रही उमा भारती ने अपनी चुनावी सभा मे घोषणा करके इस मुद्दे पर लोगो को लुभा कर वोट बटोरे थे। पिछली दो बार से सांसद महेंद्र सिंह सौलंकी ने अपने दोनों ही चुनावो में आष्टा में रेलवे लाइन के इस मुद्दे को सफलता से भुनाया है लेकिन उन्होंने क्षेत्रवासियों की जरूरत और भावना को सरकार के सामने उठाने का साहस दिखाया भी है या नही यह अब अनुसंधान का विषय है । रेलवे की मांग पर क्षेत्रवासियों की मांग को कोरे आश्वासन की तह में लपेट कर रखते भाजपा के सत्ता तंत्र पर सवाल खड़े करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारिणी सदस्य तथा पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने जनता के साथ एक बार फिर हुई ठगी पर भाजपा शासन को आड़े हाथ लिया है।

व्हाइट टाइगर ब्रीडिंग सेंटर गोविंदगढ़, रीवा को मिली सीजेडए की मंजूरी

जैव विविधता संरक्षण एवं पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विंध्य में बढ़ेगा व्हाइट टाइगर का कुनबा, प्रदेशवासियों को दी बधाई

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गोविंदगढ़, रीवा में प्रस्तावित व्हाइट टाइगर ब्रीडिंग सेंटर को मिली मंजूरी पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के विजन के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। व्हाइट टाइगर ब्रीडिंग सेंटर की स्थापना न केवल बाघों की संख्या को बढ़ाने में सहायक होगी बल्कि पर्यटन को भी प्रोत्साहन देगी। यह पहल बाघ संरक्षण और प्रकृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार जैव विविधता के संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और पर्यटन के विकास के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। गोविंदगढ़, रीवा में प्रस्तावित व्हाइट टाइगर ब्रीडिंग सेंटर को मिली मंजूरी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि मध्य प्रदेश वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में आदर्श राज्य बने।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्य प्रदेश वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों के कारण न केवल ÷टाइगर स्टेट÷ बल्कि ÷लेपर्ड स्टेट÷ और ÷चीता स्टेट÷ के रूप में भी प्रतिष्ठित है। राज्य में देश की सबसे अधिक तेंदुआ आबादी दर्ज की गई है, जो यहां के समृद्ध वन्य आवासों का प्रमाण है। मध्य प्रदेश ने चीता

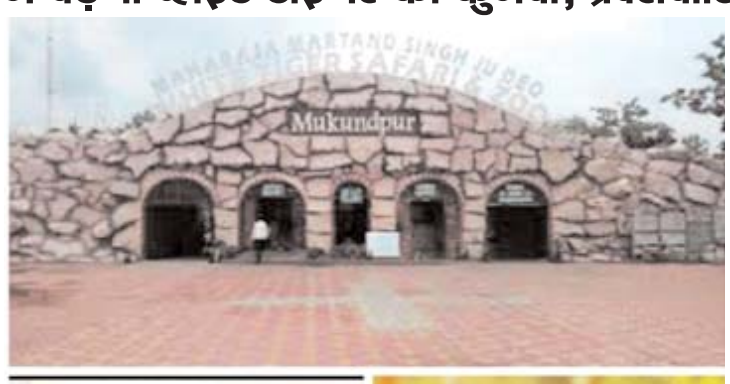

पुनर्वास परियोजना के तहत नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों का सफल पुनर्स्थापन करके ÷चीता स्टेट÷ का गौरव भी प्राप्त किया है। कान्हा नेशनल पार्क, बांधवगढ़, सतपुड़ा और पन्ना टाइगर रिजर्व जैसे क्षेत्रों में वन्यजीव संरक्षण के लिए अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य की इस उपलब्धि को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वन्यजीव विशेषज्ञों ने भी सराहा है। उन्होंने कहा कि वन्यजीव संरक्षण के लिए राज्य की प्रतिबद्धता इसे देश के अग्रणी राज्यों में शुमार करती है।

बाघ संरक्षण में ऐतिहासिक पहल

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गोविंदगढ़ में व्हाइट टाइगर ब्रीडिंग सेंटर की स्थापना से व्हाइट टाइगर की सुरक्षा और संख्या में वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, यह केंद्र राज्य में वन्यजीव पर्यटन को भी नई दिशा देगा। मध्य प्रदेश बाघों की संख्या के मामले में देश में अग्रणी है और इस पहल से राज्य की इस प्रतिष्ठा को और मजबूत किया जाएगा।

पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि व्हाइट टाइगर ब्रीडिंग सेंटर के माध्यम से स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। साथ ही, देश-विदेश से पर्यटकों को आकर्षित कर रीवा और सतना क्षेत्र को पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान मिलेगी।

रीवा में सेटेलाइट फैसिलिटी के रूप में व्हाइट टाइगर ब्रीडिंग सेंटर की होगी स्थापना

महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी और चिड़ियाघर, मुकुंदपुर, सतना के संशोधित मास्टर (लेआउट) प्लान के तहत गोविंदगढ़, रीवा में सेटेलाइट फैसिलिटी के रूप में व्हाइट टाइगर ब्रीडिंग सेंटर की स्थापना के प्रस्ताव को केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (ष्ट्र) की विशेषज्ञ समिति द्वारा तकनीकी समिति की अनुशंसा पर स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति 9 एवं 17 दिसंबर, 2024 को आयोजित विशेषज्ञ समिति की 114वीं बैठक और 19 दिसंबर, 2024 को तकनीकी समिति की 112वीं बैठक के निर्णय के अनुक्रम में प्रदान की गई है।

।। शुभ बसंतपंचमी (सरस्वती पूजा) ।।

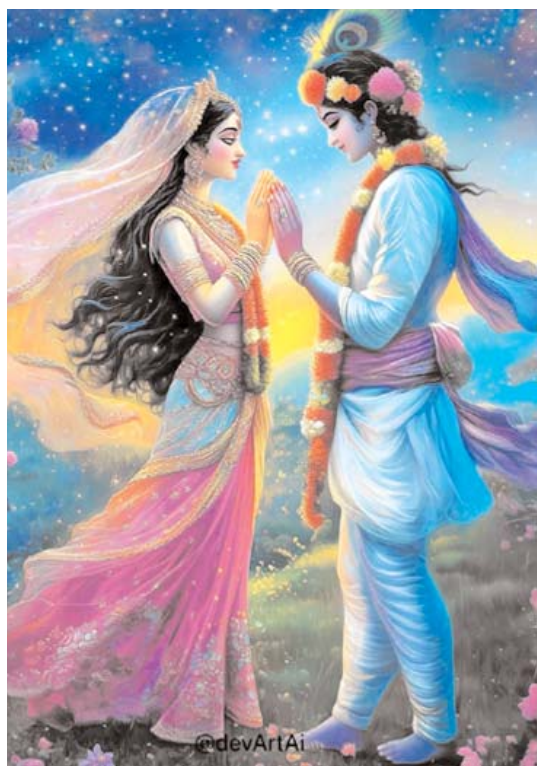

ज्ञान, कला और संगीत की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के आराधना और प्रकृति के उत्सव का पावन पर्व बसंतपंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं। शरद ऋतु की विदाई के साथ माघ शुक्ल पंचमी जहां एक ओर ऋतुराज वसंत के आगमन का सूचक है वहीं दूसरी ओर संगीत व विद्या की देवी वीणावादिनी माँ सरस्वती के अवतरण का दिन भी है। बसन्त पंचमी के पर्व से ही बसंत ऋतु का आगमन होता है। शांत, ठंडी, मंद वायु, कटु शीत का स्थान ले लेती है तथा सबको नवप्राण व उत्साह से स्पर्श करती है। महाकवि कालिदास ने ऋतुसंहार नामक काव्य में इसे सर्वप्रिये चारुतर वसंते कहकर अलंकृत किया है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने ऋतूनां कुसुमाकरा: अर्थात मैं ऋतुओं में वसंत हूं, कहकर वसंत को अपना स्वरुप बताया है। माँ सरस्वती शांति का प्रतीक हैं! देवी के चार हाथ मन, बुद्धि, सतर्कता और अहंकार का प्रतीक हैं। वैसे तो सभी को परंतु विशेष रूप से विद्यार्थियों को सरस्वती माँ का पूजन अवश्य करना चाहिए क्योंकि ज्ञान तो उन्हीं की कृपा से प्राप्त होगा पढ़ाई में सफलता प्राप्त करने के लिए सरस्वती माँ का आशीर्वाद परम आवश्यक है। सुख एवं समृद्धि का बसंत आप सभी के जीवन में सदैव बना रहे। विद्या, बुद्धि और विवेक की देवी मां सरस्वती आप सभी के जीवन को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करें। आज का दिन शुभ मंगलमय हो।

केंद्रीय बजट समावेशी और प्रगतिशील: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विकास का रोडमैप, समाज के हर वर्ग को बनायेगा सशक्त, प्रधानमंत्री श्री मोदी और वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण के प्रति व्यक्त किया

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को समावेशी और प्रगतिशील केंद्रीय बजट (वर्ष 2025-26) प्रस्तुत करने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में यह बजट भारत को आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आधारभूत संरचना और कर सुधारों में व्यापक कदम उठाए गए हैं, जो सभी वर्गों को लाभान्वित करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट प्रावधानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने उन्नत चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के बजट में वृद्धि से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी। मेडिकल डिवाइस पार्क और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (क्कक्क) मॉडल के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन से राज्य के अस्पतालों में अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि कैंसर और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए विशेष केंद्रों की स्थापना से स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई प्राप्त होगी।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में कई प्रावधान

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जीवन रक्षक दवाओं को टैक्स फ्री करना एक दूरदर्शी कदम है, जो आम लोगों की चिकित्सा लागत को कम करेगा। हर ज़िले में डे-केयर कैंसर सेंटर्स की स्थापना से गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचेगी। मेडिकल उपकरण और कैंसर की दवाओं को सस्ता करने का निर्णय स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। 6 जीवन रक्षक दवाओं पर कस्टम ड्यूटी में 5त्न की कटौती और 13 मरीज सहायता कार्यक्रमों को बेसिक कस्टम ड्यूटी से बाहर करना आम जनता के लिए राहत लेकर आएगा। यह कदम स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है, जो प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'स्वस्थ भारत' के संकल्प को साकार करेगा। मेडिकल सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि का प्रावधान किया गया है। यह कदम चिकित्सा शिक्षा के विस्तार और स्वास्थ्य सेवाओं में कुशल डॉक्टरों की

उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

मध्यम वर्गीय परिवारों को आयकर में बड़ी राहत

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वित्त मंत्री ने आयकर स्लैब में ऐतिहासिक सुधार कर मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ी राहत दी है। नई कर व्यवस्था के तहत आयकर छूट की सीमा को ?7 लाख से बढ़ाकर ?12 लाख किया गया है। साथ ही स्टैंडर्ड डिडक्शन को ?50,000 से बढ़ाकर ?75,000 कर दिया गया है। धारा 80ष्ट के तहत निवेश प्रोत्साहन में वृद्धि की गई है, जिससे करदाताओं को अतिरिक्त बचत का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति को बढ़ाएगा बल्कि उन्हें बचत और निवेश के लिए प्रोत्साहित करेगा।

कृषि में आधुनिक तकनीकों के समावेश से बढ़ेगी उत्पादकता

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कृषि क्षेत्र में डिजिटल एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म के प्रोत्साहन और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के विस्तार से किसानों की आय में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे खेती में आधुनिक तकनीकों का समावेश होगा और उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी होगी। इन योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों, रेलवे नेटवर्क और ग्रामीण सड़कों के विस्तार के लिए बड़े निवेश की घोषणा की गई है। यह कदम न केवल परिवहन तंत्र को मजबूत करेगा बल्कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को भी बढ़ावा देगा, जिससे उद्योग और व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी।

एमएसएमई के प्रोत्साहन से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के लिए आसान ऋण सुविधा और विशेष कर छूट की व्यवस्था से इस क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी और राज्य की औद्योगिक क्षमता को मजबूती मिलेगी। पर्यटन और सांस्कृतिक क्षेत्रों के विकास के लिए हेरिटेज स्थलों के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। यह कदम राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ पर्यटन उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार इस बजट का भरपूर लाभ उठाकर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। उन्होंने कहा कि यह बजट न केवल विकास का रोडमैप है बल्कि समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने वाला दस्तावेज है।

लेदर स्कीम के जरिए 22 लाख नए रोजगार, खिलौनों के लिए ग्लोबल हब बनाएगा भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में लेबर इंटेंसिव सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए एक प्रोत्साहन योजना की घोषणा की। इसके तहत, फुटवियर और लेदर उद्योग के लिए विशेष स्कीम लाई जाएगी, जिससे 22 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे ।साथ ही, सरकार ने यह भी ऐलान किया कि भारत को खिलौनों के क्षेत्र में एक ग्लोबल हब बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे, जिससे देश की उत्पादन क्षमता और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

असम में नया यूरिया प्लांट खोला जाएगा- वित्त मंत्री ने असम में नए यूरिया प्लांट की स्थापना का ऐलान किया, जो कृषि क्षेत्र में उर्वरक की आपूर्ति को बढ़ाएगा और किसानों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा।

कॉटन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए 5 साल का स्पेशल मिशन- कपास उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष पांच साल की योजना बनाई जाएगी, जिससे किसानों को नई तकनीकों और संसाधनों की मदद से उत्पादन में वृद्धि होगी। वित्त मंत्री ने भारत पोस्ट को एक बड़ा लॉजिस्टिक संस्थान बनाने की योजना का खुलासा किया, जिससे देश भर में सामान की आवाजाही को और सुगम बनाया जाएगा और लॉजिस्टिक क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे।

8.5 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पूरे, भारत का लक्ष्य 2047 तक 1,800 जीडब्ल्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रमुख सौर ऊर्जा पहल पीएम सूर्य घर ने 8.5 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पूरे कर लिए हैं। इस पहल का लक्ष्य 1 करोड़ घरों को सौर ऊर्जा से लैस करना है। यह जानकारी केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एफआईसीसीआई के 3ह्म्स्र इंडिया एनर्जी ट्रांजिशन समिट में दी। उन्होंने कहा कि सरकार 2030 तक 500 जीडब्ल्यू और 2047 तक 1,800 जीडब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की योजना पर काम कर रही है। यह पहल नीतिगत समर्थन और वित्तीय सहायता के साथ भारत को स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी।

तेजी से बढ़ रही है नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता-मंत्री ने बताया कि 2014 में 75 जीडब्ल्यू से बढ़कर भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 220 जीडब्ल्यू से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा, भारत ऊर्जा सुरक्षा, वित्तीय संसाधनों और स्थिर नीतियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हम दुनिया में नवीकरणीय ऊर्जा के सबसे बड़े खिलाड़ी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हम 2030 तक 500 जीडब्ल्यू का महत्वाकांक्षी लक्ष्य लेकर चल रहे हैं और नेट ज़ीरो की यात्रा को तेज करने के लिए सरकार का पूरा सहयोग कर रहे हैं। एफआईसीसीआई पावर कमेटी के चेयरमैन विपुल तुली ने कहा, ऊर्जा परिवर्तन अब भारत की आर्थिक प्रतिस्पर्धा, ऊर्जा सुरक्षा और निवेश अवसरों का एक मुख्य मुद्दा बन गया है। समिट में एफआईसीसीआई की रिपोर्ट जारी की गई। रिपोर्ट पेश करते हुए क्क्ष्टत्र के मैनेजिंग डायरेक्टर और पार्टनर विशाल मेहता ने बताया, भारत में पवन ऊर्जा परियोजनाएं महत्वपूर्ण बन रही हैं क्योंकि ऊर्जा की मांग शाम और रात में अधिक होती है। भारत को 50 जीडब्ल्यू सालाना नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लिए हर साल लगभग 1.5-2 लाख करोड़ ऋण और 75,000-80,000 करोड़ इक्विटी निवेश की आवश्यकता होगी। एफआईसीसीआई द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय समिट में सरकारी अधिकारी, उद्योग जगत के नेता, वित्तीय संस्थान और टेक्नोलॉजी इनोवेटर्स शामिल हुए। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार, ऊर्जा भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन और वित्तीय समाधान जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

गर्लफ्रेंड की सलाह से कुंभ में दातून बेचने लगा युवक, 5 दिन में इतना कमाया कि लोग हुए हैरान...

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 में हर दिन कोई न कोई दिलचस्प किस्सा सामने आ रहा है। इस बार एक युवक की कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसने अपनी गर्लफ्रेंड की सलाह पर दातून बेचना शुरू किया और 5 दिन में ही 40 हजार रुपये कमा लिए। यह वीडियो अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर छाया हुआ है और लोग इस युवक की स्मार्टनेस की तारीफ कर रहे हैं।

बता दें कि वायरल वीडियो में एक शख्स युवक से पूछता है कि क्या वह दातून बेचता है? इस पर लड़का जवाब देता है कि वह नीम का दातून बेचता है। जब उससे कमाई के बारे में पूछा जाता है, तो वह बताता है कि अब तक उसने 30 से 40 हजार रुपये कमा लिए हैं और यह उसका महज पांचवां

दिन है। युवक ने बताया कि रात के समय उसकी कमाई 9 से 10 हजार रुपये तक हो जाती है, जबकि कभी-कभी 5 या 6 हजार रुपये भी मिलते हैं। उसने यह भी कहा कि जितना ज्यादा मेहनत और दौड़-भाग करोगे, उतना ज्यादा पैसा मिलेगा। गर्लफ्रेंड ने दी थी अनोखी सलाह- जब युवक से पूछा गया कि उसे यह आइडिया किसने दिया, तो उसने हंसते हुए जवाब दिया कि उसकी गर्लफ्रेंड ने उसे यह सलाह दी थी। उसकी गर्लफ्रेंड ने उसे समझाया कि किसी चीज में पैसा इन्वेस्ट करने की जरूरत नहीं है, बल्कि फ्री में सामान लेकर उसे बेचना ही सही तरीका होगा। इस टिप्स को अपनाकर युवक अब अच्छी कमाई कर रहा है और सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडियो पर लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया आ रही है। कई यूजर्स ने युवक की तारीफ करते हुए लिखा कि 'गर्लफ्रेंड तो ऐसी होनी चाहिए', वहीं कुछ ने मजाक में कहा कि भाई की तो बल्ले-बल्ले हो गई'। कुछ लोगों ने इस वीडियो को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि अगर सोच सही हो तो बिना इन्वेस्टमेंट के भी पैसा कमाया जा सकता है।

पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर दीपक असाई की 2.5 करोड़ की संपत्ति ईडी ने जब्त की

भोपाल। पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर दीपक असाई की चल-अचल संपत्तियां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की नजर में आ गई। इस संपत्ति को जब्त कर लिया गया। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई। ईडी ने 1.05 करोड़ रुपए की संपत्ति को अस्थायी रूप से अटैच किया है। इसकी वैल्यू लगभग 2.5 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में सामने आया कि दीपक असाई लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), भोपाल में अधीक्षण अभियंता (स्श्व) और प्रभारी मुख्य अभियंता के रूप में कार्यरत थे। उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं और जांच एजेंसियों को संदेह है कि उन्होंने अपनी सरकारी पोस्ट का दुरुपयोग करके यह अवैध संपत्ति अर्जित की, जिसके लिए ईडी ने ये कार्रवाई की है।

घोटाले का खुलासा ऐसे हुआ : पीडब्ल्यूडी जैसे विभागों में अक्सर बड़ी सरकारी परियोजनाओं के ठेके और बजट से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। दीपक असाई के खिलाफ लंबे समय से शिकायतें थीं, जिसके बाद उनकी संपत्तियों की जांच शुरू हुई। जांच में उनकी घोषित आय

और संपत्ति में भारी अंतर पाया गया, इसके बाद ईडी ने कार्रवाई करते हुए संपत्तियों को जब्त कर लिया।

कई अफसर ईडी के रडार पर: कथित भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों पर ईडी लगातार कड़ी नजर रख रही है। हाल के वर्षों में मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में सरकारी अफसरों पर भ्रष्टाचार और काली कमाई के मामलों में कार्रवाई हुई। सरकार अब अवैध संपत्ति अर्जित करने वाले अधिकारियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। ईडी, सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं, ताकि सरकारी पैसों का दुरुपयोग रोका जा सके।

सिर्फ 500 रुपये से शुरू किया काम, अब लाखों की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के रहने वाले अनंत ठाकरे ने अपनी मेहनत से छोटे से चाय के ठेले से अपनी जिंदगी बदल दी। कभी प्राइवेट नौकरी में कम वेतन और लंबे काम के घंटों से जूझते हुए अनंत ने सिर्फ 500 रुपये से फ्रेंड्स चाय नाम का ठेला शुरू किया। आज, वह इसी ठेले से महीने में 90 हजार रुपये तक कमा रहे हैं। वीएमवी कॉलेज के पास यह ठेला संघर्ष, जुझारूपन और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गया है। आइए, यहां अनंत ठाकरे की सफलता की कहानी के बारे जानते हैं।

पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी

अनंत ठाकरे की कहानी प्रेरणा देने वाली है। कम वेतन वाली नौकरी छोड़कर उन्होंने खुद का व्यवसाय शुरू करने का साहस दिखाया। उनके पास जमीन नहीं थी। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। उनकी बीकॉम की पढ़ाई भी पूरी नहीं हो पाई। इन सबके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। एक छोटे से चाय के स्टॉल ने उनकी जिंदगी को एक नई दिशा दी। यह स्टॉल आज उनकी आमदनी का मुख्य जरिया है। उनका स्टॉल शुरू किए हुए 8 से 10 साल हो गए हैं। परिवार की खराब आर्थिक स्थिति ने उन्हें काम करने के लिए प्रेरित किया।

प्राइवेट नौकरी में बहुत कम थी सैलरी

अनंत जब बीकॉम सेकेंड ईयर में थे तभी उन पर जिम्मेदारियों का बोझ आ गया। इसके चलते उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी। परिवार की मदद के लिए उन्होंने नौकरी की। इसके चलते पढ़ाई अधूरी की अधूरी रह गई। प्राइवेट नौकरी में उन्हें 12 से 13 घंटे लगातार काम करना पड़ता था। इस कारण वह दूसरे काम नहीं कर पाते थे। सैलरी भी बहुत कम थी। घर का खर्च और बच्चों की पढ़ाई के लिए यह काफी नहीं थी। लंबे काम के घंटे और कम वेतन ने उनकी मुश्किलें और दीं।

दूरसंचार सेवाओं पर उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 31 जनवरी, 2025 को ञ्जक्रन्ढ्ढ, नई दिल्ली के सौजन्य से नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल (ष्टत्र रूक्क) द्वारा सी. एम. राइस शा. उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक शाला, बुदनी, जिला सीहोर में दूरसंचार सेवाओं पर उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ष्टत्र मेंबर्स श्री अविनाश श्रीवास्तव, श्री हरिशंकर धुरिया द्वारा उपभोक्ताओं को ट्राई व ष्टत्र के कार्यों के बारे में जानकारी दी एवं ट्राई द्वारा उपभोक्ता हित में बनाये गये दिशा निर्देशो, नियमों, विनियमों के बारे में, जिससे सेवाप्रदाता द्वारा उपभोक्ताओं को अच्छी एवं पारदर्शी सेवा उपलब्ध हो सके, विस्तार से जानकारी दी गयी7 साथ ही साथ मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी, टेलीमार्केटिंग, मोबाइल नेटवर्क प्रदाता कंपनी के रिचार्ज प्लानों की वैधता, साइबर अपराध, टॉवर फ्रॉड से बचने सम्बन्धी तथा दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की शिकायत निवारण प्रणाली तथा कंज्यूमर एडवोकेसी ग्रुप की भूमिका के बारे में लोगो को जागरूक किया। छात्र छात्राओं को ञ्जक्रन्ढ्ढ द्वारा जारी किये गए माय स्पीड, ष्ठह्रष्ठ, स्रूक्क ड्डश्च, माय कॉल, आदि के वीडियो दिखाए गये,

श्री श्रीवास्तव ने वर्तमान में जो साइबर क्राइम जैसे ओएलएक्स फ्रॉड , जैक ज्यूस, अंतर्राष्ट्रीय कॉल, फेस्टिवल ऑफर, ओटीपी फ्रॉड, बच्चों को सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम्स से होने वाले नुकसान, साइबर ठगों द्वारा किये जा रहे विभिन्न तरीकों के बारे में जागरूक किया एवं उससे बचाव के तरीकों के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने किसी को भी अपने पासवर्ड, बैंक खातों की जानकारी, ओटीपी आदि किसी को भी नहीं बताने की सलाह दी, उन्होंने फर्जी पहचान का उपयोग करके सोशल मीडिया के माध्यम से किये गए साइबर अपराध सहित अन्य सभी पहलुओं को व्यापक रूप से कवर किया। उन्होंने ऐसे अपराधों के कई उदाहरण दिए जहां लोगों ने पुलिस, सेना अधिकारी या बैंक, उपयोगिता कंपनी या कुरिअर के कर्मचारी के रूप में पेश किये गए धोखेबाज पर विश्वास करके बहुत सारे पैसे खो दिए। उन्होंने केवल टीवी सेवाओं से संबंधित ट्राई द्वारा जारी दिशा निर्देशों के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में सुश्री सुधा सोलोमन प्राचार्या, शिक्षकगण एवं छात्र छात्राओं, ग्रहणियो, रिलायंस जियो के प्रतिनिधि सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कुंभ मेले में जाने वाले यात्रियों के लिए हवाई किराए में 50 प्रतिशत की छूट: मंत्री नायडू

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने महाकुंभ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं को खुशखबरी दी है। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले में जाने वाले यात्रियों के लिए हवाई किराए में 50 प्रतिशत की कमी की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कटौती शनिवार से लागू होगी। मंत्री राममोहन नायडू ने एक राष्ट्रीय मीडिया को दिए साक्षात्कार में यह घोषणा की। केंद्र ने पहले ही एयरलाइनों को किराया कम करने की सलाह दी है। किराया कम करने से पहले सरकार ने उनके साथ तीन बार बैठकें कीं।

'एयरलाइनों को वित्तीय नुकसान नहीं होगा'

सरकार ने एयरलाइन्स कंपनियों को याद दिलाया कि ऐसा भव्य आयोजन हर 140 वर्ष में एक बार होता है और कहा कि उन्हें इसका महत्व याद रखना चाहिए। साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया कि किराये में कटौती के कारण एयरलाइनों को वित्तीय नुकसान नहीं होगा। इस बीच, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 23 जनवरी को एयरलाइन प्रतिनिधियों के साथ बैठक में प्रयागराज के लिए किराए को युक्तिसंगत बनाने की मांग की थी। जनवरी में डीजीसीए ने मांग को पूरा करने के लिए प्रयागराज के लिए 81 अतिरिक्त उड़ानों की अनुमति

दी थी।

एमपी में जापान-भारत औद्योगिक सहयोग की नई शुरुआत, जापानी पर्यटकों के लिए बौद्ध सर्किट बनाने की योजना

स्पाइसजेट सहित कई एयरलाइंस प्रयागराज के लिए कुल 132 सेवाएं संचालित करती हैं। लेकिन सेवाओं के साथ-साथ शुल्क में भी भारी वृद्धि की गई है। नई दिल्ली और प्रयागराज के बीच हवाई किराए में 21 गुना वृद्धि हुई है। दिल्ली और लंदन के बीच हवाई किराया 24,000 रुपये है, जबकि प्रयागराज के लिए यही किराया 32,000 रुपये से अधिक लिया जा रहा है। मौनी अमावस्या के दौरान 27 से 30 जनवरी तक ये कीमतें देखकर यात्री हैरान रह गए। प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुआ महाकुंभ मेला 26 फरवरी तक चलेगा।

28 करोड़ लोग पवित्र डुबकी लगा चुके हैं

मौनी अमावस्या की पूर्व संध्या पर भारी भीड़ के कारण संगम घाटों पर हुई भगदड़ के बावजूद, इस आध्यात्मिक पर्व के दौरान अब तक लगभग 28 करोड़ लोग पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। त्रिवेणी संगम नदी के तट पर 4,000 हेक्टेयर (9,990 एकड़) पर एक अस्थायी शहर स्थापित किया गया था। यह 7,500 फुटबॉल मैदानों के बराबर है। श्रद्धालुओं के लिए 150,000 टेंट और इतनी ही संख्या में शौचालय की व्यवस्था है।

माध्यम वर्ग को अब तक की सबसे बड़ी राहत, 12 लाख तक की आय पर कोई इनकम टैक्स नहीं: शेषराव यादव

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शेषराव यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट का स्वागत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने बजट को ऐतिहासिक, सर्वस्पर्शी और आम जनता को खुश कर देने वाला बजट बताया। श्री यादव ने सर्वस्पर्शी आम जनता के बजट के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को धन्यवाद प्रेषित करते हुए जिले की जनता को बधाई दी।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शेषराव यादव ने केंद्रीय बजट का स्वागत करते हुए कहा कि यह जनता जनार्दन का बजट है, इससे 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाएं पूरी होंगी। उन्होंने कहा कि ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है ये बजट विकसित भारत के अटल संकल्प की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि इस बजट में हमारे हमारे गरीब, अन्नदाता, नारी शक्ति और नौजवानों को सशक्त व सक्षम बनाने के लिए प्रावधान किए गए हैं। केंद्र सरकार का नया बजट संपूर्ण भारत वर्ष, हर क्षेत्र, हर समाज और वर्ग के विकास को सुनिश्चित करने वाला बजट है। श्री यादव ने बताया कि किसानों के क्रेडिट कार्ड (चष्ट्ठ) की लिमिट अब ?3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख की गई। किसान क्रेडिट से 7 करोड़ से अधिक किसानों को आसान लोन की सुविधा मिलेगी। श्री यादव ने बताया कि बजट में शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं। मेडिकल एजुकेशन और आईआईटी में 75000 सीटें बढ़ाने की घोषणा इस बजट में की गई है। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शेषराव यादव ने कहा कि मुझे ये बताते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि? इस बजट में किसानों के लिए प्रधानमंत्री धन धान?य योजना की घोषणा की गई है। इस योजना से देश के 100 जिले और 1.70 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे।

श्री शिर्डी साईबाबा रजत महोत्सव महा आरती उमड़ा भक्तो का सैलाब

छिंदवाड़ा। सच्चिदानंद सेवा समिति श्री शिर्डी साई मंदिर विवेकानंद कॉलोनी द्वारा श्री शिर्डी साईबाबा की मूर्ति के 25 वे स्थापना समारोह के पुण्य अवसर पर रजत महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। सच्चिदानंद सेवा समिति के कार्यक्रम सचिव आनंद बक्शी ने बताया की गुरुवार को शाय कालीन महा आरती मे भक्तो का सैलाव उमड़ पड़ा। जय साईराम के जय घोष के बीच सुंदर पूजन थालियों से बाबा की महा आरती की गई। इस महा आरती मे विश्वनाथ ओकटे,शेष राव यादव, विक्रम आहके, सोनू मांगो, उत्तम ठाकुर , विजय पांडे , हंसा अम्बर दाढ़े,पप्पू यादव, जय सक्सेना, उमेश अग्रवाल, वसंत चौबे, चिंटू काले, प्रदीप राय, मनोज सक्सेना, राहुल मालवी, सरला सिसोधिया, जगदीश गोदरे एवं बड़ी सख्या मे श्रद्धालुगण उपस्थित हुए। यह उल्लेखनीय है की रजत महोत्सव के अंतर्गत श्री गणेश वंदना से आरम्भ कर राधे कृष्ण मंडल द्वारा भजनो की प्रस्तुति दी जा चुकी है। महा आरती मे सुंदर सनातनी परिधान मे नात्र शक्ति ने बड़ी संख्या मे उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। सच्चिदानंद सेवा समिति के श्री एस वी पौराणिक, जयंत बक्शी, देवराव उपासे एवं समिति के सभी सदस्यों ने सभी भक्तो का आभार व्यक्त किया।

लोकतंत्र सेनानी संघ जबलपुर संभाग की बैठक सिवनी में हुई संपन्न

छिंदवाड़ा – लोकतंत्र सेनानी संघ जबलपुर संभाग की बैठक सिवनी में संपन्न हुई । बैठक में संभाग का पारिवारिक सम्मेलन छिन्दवाड़ा मे प्रान्त अधिकारियों से चर्चा कर तय किया जावेगा, वार्षिक सदस्यता, प्रत्येक जिले मे प्रतिमाह कम से कम एक बार बैठक लेन, प्रान्तिय अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक टोली माननीय मुख्यमंत्री महोदय से भेंट कर विभिन्न समस्या को लेकर चर्चा करना सहित अन्य विषयों को लेकर बैठक में चर्चा हुई । बैठक में प्रमुख रुप से संभाग प्रभारी श्री अजय औरंगाबादकर, जिला सचिव श्री मोहन रोडे, वरिष्ठ सेनानी श्री दीनदयाल मोहने, श्री विलास नरोटे, श्रीकृष्ण बरैया, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सिवनी के श्री सुदर्शन बाझल, श्री राजेश उपाध्याय, जिलाध्यक्ष श्री राजकुमार अग्रवाल श्री अहमद भाई, सचिव श्री सुनिल लुथरा, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री सन्तोष कठल, बालाघाट के जिला सचिव श्री रामसिंह ठाकुर उपस्थित थे।

बी.जी.पी. महिला मोर्चा ने वार्ड नंबर 44 में किया हल्दी कुमकुम का आयोजन

छिंदवाड़ा - आज दिनांक 1 फरवरी दिन शनिवार को वार्ड नंबर 44 राजराजेश्वरी मंदिर में महिलाओं के बीच हल्दी कुमकुम का आयोजन किया गया । उक्ताशय की जानकारी भाजपा महिला मोर्चा नगर मंडल एक की अध्यक्ष माया बंदेवार ने देते हुये बताया कि पूर्व में वार्ड की महिलाओं के साथ सांसद पत्नी श्रीमती शालिनी विवेक साहू द्वारा जीत मिलने पर राज राजेश्वरी मंदिर प्रांगण में हल्दी कुमकुम कराये जाने की प्रार्थना की थी । इसी क्रम में आज उनके द्वारा वार्ड नंबर 44 स्थित राजराजेश्वर मंदिर पहुँचकर वार्ड की महिलाओं के साथ हल्दीकुमकुम का आयोजन किया । जिसमें माता रानी की चुनरी और सुहाग का सामग्री के साथ-साथ सभी महिलाओं को सुहाग की सामग्री का वितरण किया गाया, और मंदिर में सुहाग गीत का गायन हुआ । इस अवसर पर मुख्य अतिथि में श्रीमति रानू साहू , महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष गरिमा दामोदर, मंडल दो की अध्यक्ष जय विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष माया बंन्देवार एवं वार्ड अध्यक्ष शालिली सिंह बघेल, रुक्मणी खलोट, हेमलता सोनकुंवर, नीतू मालवीय, प्रभा ओक्टे, ममता डोंगरे, फूलेश सूर्यवंशी उपस्थित थी ।

कृष्ण शिला से बने देश के पहले अष्टविनायक मंदिर की स्थापना की गोपाल ने

कौशल किशोर चतुर्वेदी

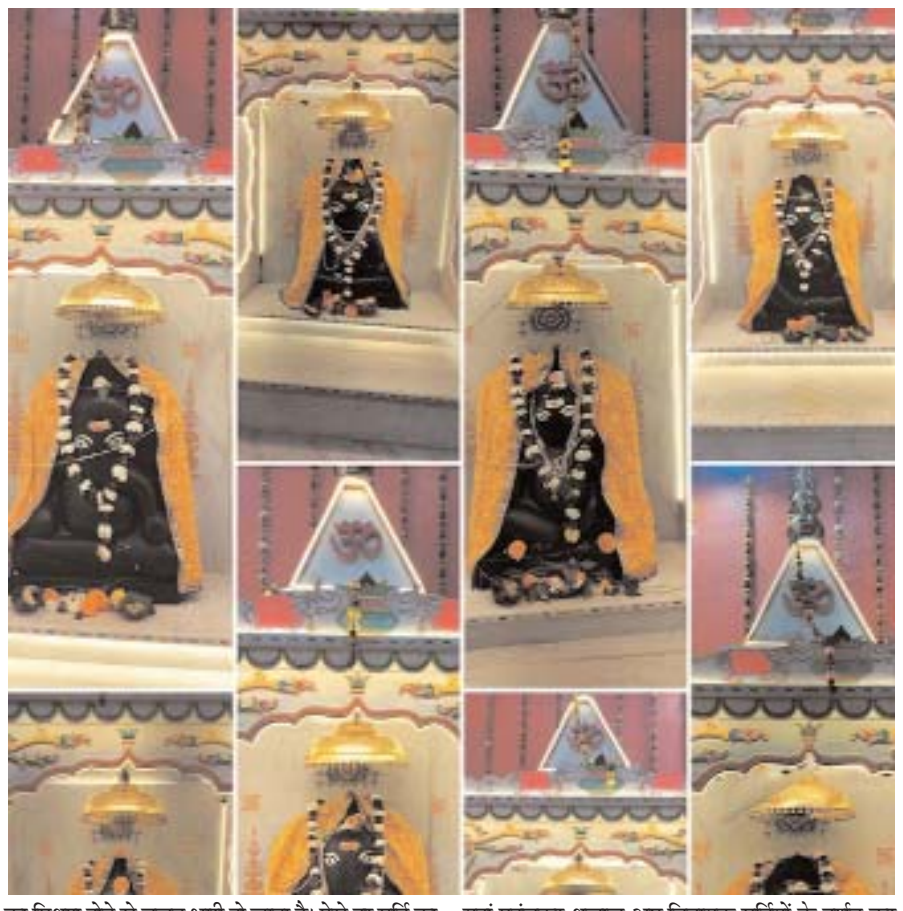

'कृष्ण शिला' का नाम सबने सुना होगा। अयोध्या में बाल स्वरूप राम की मूर्ति 'कृष्णशिला' से बनी है। कर्नाटक से लाए गए ये पत्थर 2.5 अरब साल (225 करोड़ साल) पुरानी है। शास्त्रों में ब्लैक ग्रेनाइट को कृष्ण शिला (शालीग्राम) कहा जाता है। आज कृष्ण शिला की खास चर्चा इसलिए क्योंकि गढ़ाकोटा में विधायक पंडित गोपाल भार्गव ने अष्टविनायक की स्थापना की है। गणेश के अलग-अलग नाम की यह आठ मूर्तियां उसी कृष्ण शिला से निर्मित हैं, जिससे भगवान राम के बाल स्वरूप की मूर्ति निर्मित है। इसमें खास बात यह भी है कि गोपाल भार्गव अपने लंबे राजनैतिक जीवन में सैकड़ों मंदिरों की स्थापना के माध्यम बने हैं, पर पहली बार खुद यजमान बनकर उन्होंने गढ़ाकोटा गणेश मंदिर परिसर में 'अष्टविनायक' मंदिर की स्थापना की है। तीसरी खास बात यह है कि महाराष्ट्र में पुणे, रायगढ़, अहिल्यानगर जिलों में सात सौ किलोमीटर की दूरी पर अष्टविनायक के आठ मंदिर हैं। और यहां दुर्गम स्थानों पर बने आठ मंदिरों का दर्शन करने में श्रद्धालुओं को कम से कम तीन दिन का समय लगता है। पर अब गढ़ाकोटा धाम में श्रद्धालु 'अष्टविनायक' की मनोहारी मूर्तियों का दर्शन एक ही स्थान पर कर सकेंगे।

भगवान गणेश के उपासक पंडित गोपाल भार्गव को छह महीने पहले यह अंतःप्रेरणा हुई कि गढ़ाकोटा स्थित गणेश मंदिर और संस्कृत विद्यालय परिसर में अष्टविनायक की स्थापना की जाए। यह स्वप्रेरणा भी चार दशक बाद हुई। पूर्व विधायक सुधाकर राव बापट और धरमू राय के साथ पहली बार वह नब्बे के दशक में महाराष्ट्र अष्टविनायक मंदिरों में दर्शन करने गए थे और तब से यह सिलसिला जारी है। और छह माह पहले जब प्रेरणा हुई तब से अष्टविनायक की आठ मूर्तियों के निर्माण का प्रयास शुरू हुआ। मंदिरों की मूर्तियों पर शोध हुआ और श्रेष्ठतम कृष्ण शिला से जयपुर में इन आठ मूर्तियों का निर्माण संपन्न हुआ। कृष्ण शिला में सभी धातुओं का मिश्रण होने से वजन भारी हो जाता है। ऐसे हर मूर्ति का वजन साढ़े तीन क्विंटल से ज्यादा है। और कृष्ण शिला से बनी हर मूर्ति मनमोहक है। गढ़ाकोटा का प्राचीन गणेश मंदिर पहले से ही सिद्ध और श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। अब यहां पहुंचकर श्रद्धालु अष्ट विनायक मूर्तियों के दर्शन कर अपनी मनोकामना की अर्जी लगा सकेंगे। दस दिन से विधि विधान से अष्टविनायक मूर्ति स्थापना का यज्ञ विनायक चतुर्थी पर 1 फरवरी 2025 को संपन्न हुआ। इसके साथ ही पहली बार यजमान बने पंडित गोपाल भार्गव ने धर्मपत्नी रेखा भार्गव के साथ 18-18 घंटे विधि विधान से यह कार्य संपन्न कर महासंकल्प को पूरा किया।

हम महाराष्ट्र के अष्टविनायक मंदिरों के बारे में जानते हैं। अष्टविनायक एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है ÷आठ गणेश÷। अष्टविनायक यात्रा भारत के महाराष्ट्र राज्य में पुणे शहर के आसपास स्थित आठ हिंदू मंदिरों की तीर्थयात्रा को संदर्भित करती है। आठ मंदिरों में गणेश की आठ अलग-अलग मूर्तियाँ हैं, जो एकता,समृद्धि,शिक्षा और बाधाओं को दूर करने के हिंदू देवता हैं। इनमें से प्रत्येक मंदिर की अपनी अलग किंवदंती और इतिहास है, जो प्रत्येक मंदिर में मूर्तियों की तरह एक दूसरे से अलग है। गणेश की प्रत्येक मूर्ति और उनकी सूंड का रूप एक दूसरे से अलग है। मयूरेश्वर मंदिरमोरगांव पुणे जिला, सिद्धिविनायक मंदिर सिद्धटेक अहमदनगर जिला, बल्लालेश्वर मंदिरपाली रायगढ़ जिला, वरदविनायक मंदिर महाड रायगढ़ जिला, चिंतामणि मंदिर थेऊर पुणे जिला, गिरिजात्मज मंदिर लेण्याद्रि पुणे जिला, विघ्नेश्वर मंदिर ओझर पुणे जिला और महागणपति मंदिर रांजणगांव पुणे जिला में स्थित है।परंपरागत रूप से, मोरेगांव का मोरेश्वर तीर्थयात्रियों द्वारा देखा जाने वाला पहला मंदिर है। मंदिरों का दौरा मोरेगांव, सिद्धटेक, पाली, महाद, थेऊर, लेन्यांद्री, ओजर, रंजनगांव के क्रम में किया जाना चाहिए। तीर्थयात्रा का समापन मोरेगांव की दूसरी यात्रा के साथ होता है। पंडित गोपाल भार्गव का मानना है कि ईश्वर आस्था का केंद्र हैं। भक्त भले ही सिद्ध स्थानों पर मनोकामना पूर्ति के लिए जाते हों लेकिन वास्तव में इनका महत्व शुभ-लाभ तक सीमित नहीं है। सिद्ध स्थानों पर पहुंचकर हर श्रद्धालु के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और उसे असीम ऊर्जा प्राप्त होती है। इससे व्यक्ति असीम संतुष्टि हासिल करता है। तो देश के पहले ऐसे अष्टविनायक मंदिर के एक ही स्थान पर दर्शन का लाभ श्रद्धालु गढ़ाकोटा प्राचीन गणेश मंदिर पहुंचकर कर सकते हैं। कृष्ण शिला से बनी यह मूर्तियां वास्तव में अद्भुत हैं.

काउंटडाउन शुरु, पीएम मोदी 24 को करेंगे शुभारंभ, अदाणी, अंबानी सहित 15 हजार उद्योगपति होंगे शामिल

भोपाल-मध्यप्रदेश में निवेश के लिए रीजनल इन्वेस्टर समिट और मुख्यमंत्री की जापान यात्रा समाप्त हो गई है। इसके साथ ही राज्य सरकार अब मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 24 और 25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट(त्तढ्ढस्) की तैयारियों में जुट गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को जीआईएस का उद्घाटन करेंगे। इस समिट में छह केन्द्रीय मंत्री, राज्य के मंत्री, प्रमुख विभागों से जुड़े केन्द्रीय सचिवों, रिलायंस समूह के मुकेश अंबानी, अदाणी समूह के गौतम अदाणी, टाटा संस के एन चंद्रशेखरन, विप्रो के अजीम प्रेमजी सहित देशी-विदेशी पंद्रह हजार निवेशक, उद्योगपति, विशेषज्ञ राजधानी भोपाल में जुटने वाले है। शहर की सभी प्रमुख होटलों में इन अतिथियों के रुकने के इंतजाम किए गए है। पर्यटन निगम और पर्यटन विभाग टैक्सी, कार, बस, इलेक्ट्रिक व्हीकल समेत एक हजार बसों का इंतजाम कर रहा है। निवेशकों को महाकाल मंदिर, सांची, भीमबैठका समेह शहर और आसपास के प्रमुख दर्शनीय पर्यटन स्थलों पर सैर कराने की तैयारी है और मध्यप्रदेश के सभी प्रमुख अंचलों के देशी व्यंजनों समेत कई प्रकार के विदेशी व्यंजन भी परोसे जाएंगे। नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और जिला प्रशासन ने राजधानी को सजाने-सवारने का काम शुरु कर दिया है।

राजधानी भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट का प्रमुख आयोजन किया जाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को जीआईएस का उद्घाटन करेंगे। पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्रियों और सभी वीआईपी को वन विहार रोड स्थित मानव संग्रहालय के प्रवेश द्वार से अंदर प्रवेश कराया जाएगा। अन्य अतिथियों का आगमन स्मार्ट पार्क, राज्य संग्रहालय की ओर से मानव संग्रहालय के मुख्य प्रवेश द्वार से कराया जाएगा। शहर में मानव संगहालय, लाल परेड ग्राउंड, मिंटो हाल सहित अलग-अलग स्थानों पर वाहन पार्किंग भी बनाई जा रही है। सभी वीआईपी के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे है और जीआईएस वाले दिन शहर में यातायात परिवर्तित भी किया जाएगा।

सौ तरह के देशी-विदेशी व्यंजन परोसने का इंतजाम, एक हजार वाहन, पचास से अधिक होटल बुक-: पर्यटन निगम के एमडी टी इलैया राजा ने बताया कि जीआईएस में आने वाले सभी देशी-विदेशी मेहमानों के स्वागत, उनके वाहन इंतजाम, रुकने और खाने का इंतजाम पर्यटन निगम और पर्यटन बोर्ड मिलकर कर रहे है। टैक्सी, कार, बस, इलेक्ट्रिक वाहनों सहित कुल एक हजार वाहनों का इंजताम किया गया है। पर्यटन निगम के कार्पोरेट शैफ सिद्धार्थ वीरेन्द्र निगम के शैफ और कुछ निजी होटलों के शैफ भी प्रदेश के आदिवासी अंचलों सहित विभिन्न अंचलों के लजीज व्यंजन और भारत के विभिन्न राज्यों के व्यंजनों सहित विदेशी व्यंजन भी तैयार करेंगे। इंडियन, कांटीनेंटल, चाइनीज, जापनीज सहित सौ से अधिक व्यंजन यहां परोसे जाएंगे। बड़ा किचन भी इसके लिए बनाया जाएगा। शहर की ताज, लेकव्यू, जहानुमा, लेक व्यू अशोक, मैरियट होटल सहित सभी गेस्टहाउस और लगभग पचास स्थानों पर अतिथियों के ठहरने का इंतजाम किया गया है।पर्यटकों को सांची, भीमबैठका, महाकाल मंदिर, जनजातीय संग्रहालय, मानव संग्रहालय, भारत भवन, वोट क्लब,भोजपुर मंदिर और विदेशी निवेशकों में आने वाले प्रवासी भारतीयों को उनके गृह नगर घुमाने का इंतजाम भी किया जा हा है। निवेशकों में कुछ का इंतजाम सरका कर रही है कुछ अपने खर्च पर ठहरेंगे और घूमेंगे।

पीएम 24 को करेंगे उद्घाटन, अदाणी, अंबानी समेह पंद्रह हजार निवेशक, उद्योगपति, डेलीगेट्स आएंगे-

मध्यप्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन के एमडी चंद्रमौली शुक्ला ने बताया कि जीआईएस में अभी आने वाले अतिथियों की अंतिम स्वीकृति आना बाकी है लेकिन मुकेश अंबानी, गौतम अदाणी सहित सभी प्रमुख औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधियों, देशी-विदेशी निवेशकों, विशेषज्ञ, उद्योगपति, आधा दर्जन केन्द्रीय मंत्रियों, प्रमुख विभागों के केन्द्रीय सचिवों सहित पंद्रह हजार डेलीगेट्स आएंगे। प्रधानमंत्री 24 को जीआईएस का उद्घाटन करेंगे। मानव संग्रहालय में प्रमुख आयोजन होगा। वन विहार की ओर से पीएम समेत विशिष्ट अतिथियों के प्रवेश की व्यवस्था होगी। शेष अतिथि स्मार्ट पार्क की ओर से आएंगे। आने वाले सभी वीआईपी की लिस्ट तैयार की जा ही है। जिला प्रशासन, पर्यटन निगम बोर्ड की मदद से तमाम इंतजाम किए जा रहे है।

सड़के, फुटपाथ हो रहे चकाचक-

लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता संजय मस्के ने बताया कि जीआईएस के लिए इंदिरा मानव संग्रहालय, वीआईपी रोड, जहानुमा होटल, नूरअस सबाह रोड,एयरपोर्ट रोड सहित 25 सड़कों को तैयार किया गया है। इनके आसपास सौंदर्यीकरण किया गया है। फुटपाथ पर पेवर ब्लॉक लगाए गए है। डिवाइडर पर पट्टे, रोड मार्किंग, साइन बोर्ड, कैट आई लगाए जा रहे है। सड़कों के सोल्डर ठीक किए जा रहे है, सरफेस बेहतर किया गया है। सौदर्यीकरण किया गया है। मानव संग्रहालय के आसपास की दीवारों पर पेंटिग की गई है।

अध्यक्ष उपाध्यक्ष को नहीं बुलाया जाता कार्यक्रमों में दोनो ने की थी मंत्री पटेल से शिकायत

दमोह सर्किट हाउस पहुंचे पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने दमोह जनपद सीईओ को लगाई फटकार मंत्री पटेल ने जनपद सीईओ से कहा कि अगर दोनों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ने लिखकर दे दिया तो तुम्हारा निलंबन पक्का है मंत्री ने यह बात तब कहीं जब वह दमोह जिले के कुंडलपुर स्थित माता रुक्मणी के प्रांगण के सौंदर्यकरण के भूमि पूजन कार्य के लिए भोपाल से चलकर दमोह सर्किट हाउस पहुंचे थे और रात रुकने के बाद सुबह जब मंत्री सर्किट हाउस से निकलने लगे तो इसी दौरान जनपद अध्यक्ष उपाध्यक्ष की शिकायत पर अध्यक्ष उपाध्यक्ष के सामने दमोह जनपद सीईओ पूनम दुबे को फटकार लगाई जब सीईओ मैडम से मंत्री पटेल ने पूछा कि अध्यक्ष उपाध्यक्ष के लिए कोई सूचना एवं उनको क्यो नही बुलाती जिस पर मैडम सॉरी सर सॉरी सर कहती नजर आई इसके बाद मंत्री पटेल ने सीईओ मैडम से कहा कि उन्होंने यह तीसरी वार शिकायत की है मंत्री पटेल ने कहा की अगर उन्होंने लिख कर दे दिया तो तुम्हारा निलंबन पक्का है इस दौरान सीईओ मैडम रिक्रेस्ट करती रही और मंत्री पटेल ने मैडम से कहा गेटआउट और मंत्री पटेल सर्किट हाउस से पथरिया विधानसभा क्षेत्र के सीता नगर के लिए रवाना हो गए

वजह यह थी की जनपद पंचायत की अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की किसी भी कार्यक्रम की सुचना नही दी जाती और नही बुलाया जाता है

दमोह जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी पूनम दुबे जब से दमोह जनपद पंचायत कार्यालय मे पदस्थ हुई है तब से लगातार उपाध्यक्ष की घोर उपेक्षा की जा रही है।

ताजा मामला यह है की 26 जनवरी को राष्ट्रीय पर्व मनाया है मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की जानकारी नहीं दी गई।मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के अंतर्गत किसी भी कार्यक्रम की जानकारी नहीं दी गयी।आनंदोत्सव की जानकारी नही दी गई। जिसमे जनपद उपाध्यक्ष को सूचना नही दी और ना ही बुलाया गया और जो 30 तारीख को सामान्य सभा की दमोह जनपद में बैठक हुई थी उसमें सीईओ मैडम के द्वारा जनपद उपाध्यक्ष के साथ अभद्र व्यवहार किया एवं सामूहिक अपमान भी करती है पुनम दुबे सी.ई.ओ दमोह है

दिल्ली की बदहाल स्थिति पर एस. जयशंकर का हमला, बोले- विदेशों में बताने में होती है शर्म

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (क्क) सरकार की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण विदेशों में बताने में शर्मिंदगी महसूस होती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि क्कसरकार केंद्र की योजनाओं के तहत आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में विफल रही है।

दिल्ली को पिछले 10 वर्षों में पीछे छोड़ दिया गया- दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले, जयशंकर ने कहा कि पिछले एक दशक में दिल्ली विकास की दौड़ में पीछे छूट गई है।उन्होंने मतदाताओं से 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनावों में बदलाव पर विचार करने का आग्रह किया।

दिल्ली में %विकसित दिल्ली-विकसित भारत% कार्यक्रम के दौरान दक्षिण भारतीय समुदाय से बातचीत करते हुए, जयशंकर ने कहा, ÷जब भी मैं विदेश यात्रा पर जाता हूं, मैं एक सच्चाई छिपाने की कोशिश करता हूं। मुझे यह कहने में शर्म आती है कि राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले लोगों को आवास, गैस सिलेंडर, नल का पानी (जल जीवन मिशन के तहत) और आयुष्मान भारत का लाभ नहीं मिल रहा है।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछले 10 वर्षों में दिल्ली पिछड़ गई है। यहां के निवासियों को उनके पानी, बिजली, गैस, स्वास्थ्य सेवाओं के अधिकार नहीं मिल रहे हैं। यदि सरकार आपको आपके अधिकार नहीं देती, तो 5 फरवरी को आपको इस सरकार को बदलने पर विचार करना चाहिए।÷

प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों की सराहना- जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा, ÷जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, भारत को लेकर दुनिया की सोच पूरी तरह बदल गई है। जब पूरी दुनिया में आर्थिक मंदी है, तब भी भारत 6-7त्न की विकास दर बनाए रखने में सक्षम है।÷

दिल्ली चुनावी जंग में बढ़ती बयानबाजी- दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों पर 5 फरवरी को मतदान होगा और मतगणना 8 फरवरी को होगी। इस बीच, क्क भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी चुनावी लड़ाई जारी है। क्कसांसद संजय सिंह ने दावा किया कि क्क70 में से 60+ सीटें जीतेगी और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा, ÷क्क60 से अधिक सीटें जीतेगी और केजरीवाल सरकार भारी बहुमत से फिर से सत्ता में आएगी।÷ चुनाव से पहले, बीजेपी और क्कके बीच जुबानी जंग तेज हो गई है, जहां जयशंकर के इस बयान को बीजेपी के दिल्ली चुनाव प्रचार का बड़ा मुद्दा माना जा रहा है।

कांग्रेस ने घोषित की छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक व दो की कार्यकारिणी

क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटियों में किया विस्तार

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी के निर्देशानुसार छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक एवं भाग दो की नवीन कार्यकारिणी घोषित की गई है।

ग्रामीण भाग एक व दो के अन्तर्गत आने वाली क्षेत्रीय कमेटियों का भी विस्तार किया गया है।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओकटे व पर्यवेक्षक श्री मनीष पाण्डेय की सहमति उपरांत छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक व भाग दो की कार्यकारिणी घोषित की गई है जिसमें निम्नानुसार पदों पर नियुक्तियां कर नवनियुक्त पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से जिम्मेदारी सौंपी है।

छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक में ब्लॉक अध्यक्ष जीवन पटेल के साथ कार्य. अध्यक्ष अर्जुन यदुवंशी व अघ्घन शाह उइके मनोनीत किए गए हैं। समन्वयक पद की जिम्मेदारी कुलदीप पटेल को सौंपी है।

छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक के अंतर्गत आने वाली क्षेत्रीय कमेटियां- सिहोरा मड़का क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी में अध्यक्ष नन्हे पटेल व संयोजक राजू चन्द्रवंशी मनोनीत किए गए हैं। नेर क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी में अध्यक्ष सुनील चौधरी व संयोजक भरत पटेल मनोनीत किए गए हैं। मेघा सिवनी क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी में अध्यक्ष उम्मेद्र सिंह ठाकुर व संयोजक रवेलसिंह टेखरे नियुक्त किए गए। कपरवाड़ी क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी में अध्यक्ष नरेन्द्र पटेल व संयोजक दिनेश साहू मनोनीत किए गए हैं। सारना क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी में अध्यक्ष सुधीर पटेल व संयोजक भानू उसरेठे मनोनीत किए गए। बोहना खैरी क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी में अध्यक्ष दीपक साहू व संयोजक विनय यदुवंशी मनोनीत किए गए हैं। उमरिया ईसरा क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी में अध्यक्ष शरद गोलू पटेल व संयोजक सुन्नीलाल तिरगाम एवं राकेश पटेल मनोनीत किए गए। छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग दो में ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह पटेल, समन्वयक सुखपाल पटेल मनोनीत किए गए हैं। कार्य. अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी राजकुमार पटेल व कुनसराम कर्पे को सौंपी है।

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

CII
Confederation of Indian Industry

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री　　**डॉ. मोहन यादव**, मुख्यमंत्री

सफल निवेश की अनंत संभावनाओं का परिवेश - मध्यप्रदेश

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएं

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

24 25 फरवरी 2025, भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुभारंभ

निवेश के प्रमुख क्षेत्र

टेक्सटाइल एवं गारमेंट्स | फार्मा, मेडिकल डिवाइस एवं हेल्थ केयर | कृषि, खाद्य एवं डेयरी प्रसंस्करण | फिनटेक, आईटी/आईटीईएस/ ईएसडीएम एवं रोबोटिक्स इकोसिस्टम | ईवी, ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट्स | खनन एवं खनिज | नवीकरणीय ऊर्जा | कौशल विकास लॉजिस्टिक्स | पर्यटन | शहरी परिवहन एवं औद्योगिक अधोसंरचना

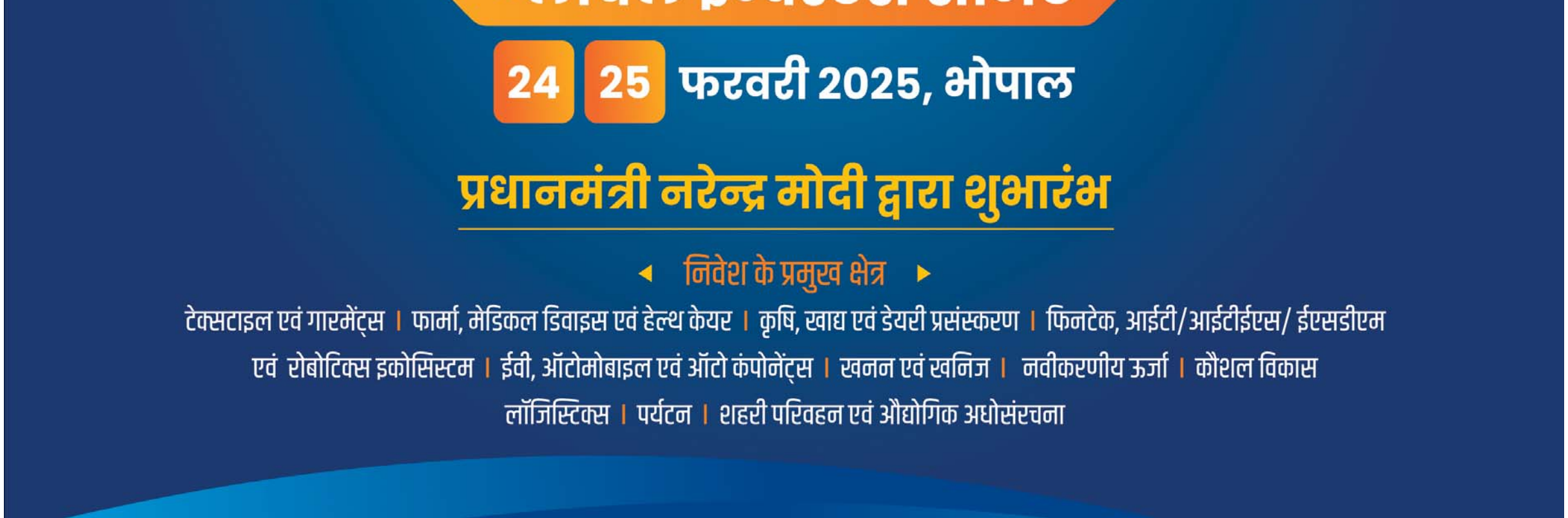

सेक्टोरल समिट
एग्जीबिशन एवं एक्सपो
थीमैटिक सेशन्स
प्रवासी मध्यप्रदेश समिट

D-11174/24

आज ही रजिस्टर करें और
संभावनाओं के नए द्वार खोलें

www.investmp.in

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी